दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

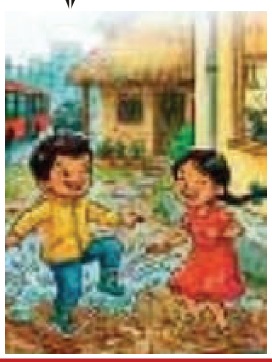

अमन लेखनी

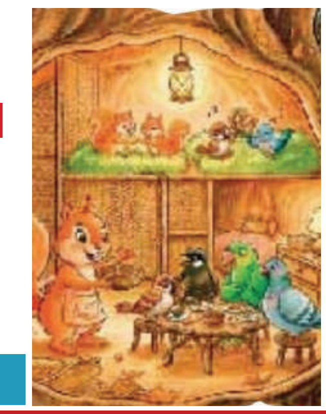

छपाक-छप | दोस्ती का फर्ज

वर्ष : 12 | अंक : 197 | लखनऊ, 11 जुलाई, शनिवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की तीसरी मिशन संचालन समूह बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में इसकी प्रगति की समीक्षा की। इसे और मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की। यह स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, आसान और सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पतंग को पाइप से उतारने में दादा की मौत

खुर्जा। कोतवाली क्षेत्र के बुर्ज उस्मान मोहल्ले में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 12 वर्षीय पोते को बिजली के करंट से बचाने के प्रयास में दादा की जान चली गई। करंट की चपेट में आए पोते की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। वीडियो सामने आया है।

51 साल के एक्टर संजीब की हार्ट अटैक से मौत

नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आ रही है। खबर है कि टीवी के पॉपुलर सीरियल 'डॉ. आरंभी' में नजर आ रहे एक्टर संजीब सिंह की अचानक मौत हो गई है। शूटिंग करने के बाद घर लौट रहे एक्टर संजीब सिंह के निधन की घटना ने इंडस्ट्री में हड़कंप मचा दी है। वे घर लौट रहे थे तभी हार्ट अटैक आया था।

हिमाचल में 17 आईएएस, 22 एचएएस इधर-उधर

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सिविल सेवा बोर्ड की सिफारिशों पर 17 आईएएस और 22 एचएएस अधिकारियों के तबादला व तैनाती आदेश जारी किए हैं। मुख्य सचिव कमलेश पंत ने आदेश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार चंद अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन का अतिरिक्त कार्यभार भी देखेंगे।

शाह ने सीमावर्ती जिलों के एसपी के साथ अहम सम्मेलन को संबोधित किया

भारत को घुसपैठ मुक्त बनाएंगे, 3 साल में नारकोटिक्स की समस्या भी हो जाएगी हल

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

'सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026' में की कॉन्फ्रेंस

पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन समेत पड़ोसी मुल्कों से लगते जिलों पर बात की

हम एक ऐसा मजबूत सुरक्षा तंत्र बना रहे, जिससे कहीं भी घुसपैठ ही नहीं हो सकेगी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन समेत तमाम पड़ोसी मुल्कों से लगते जिलों के एसपी के साथ एक अहम सम्मेलन को संबोधित किया। सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026 नाम की इस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि हम एक ऐसा मजबूत सुरक्षा तंत्र बना रहे हैं। जिससे देश को घुसपैठिया मुक्त करने के साथ ही घुसपैठ ही नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से देश को जम्मू कश्मीर और नॉर्थ-ईस्ट में आतंकवाद और नक्सलवाद से निजात मिली है। घुसपैठ को रोकने के साथ ही आने वाले 3 सालों में सरकार नारकोटिक्स की समस्या पर भी विजय प्राप्त करेगी। सम्मेलन में बॉर्डर से लगते 119 जिलों के एसपी और अन्य अधिकारी शामिल हुए। इनके सात गृहमंत्री शाह ने कई सुरक्षात्मक मुद्दों पर चर्चा की। इसके साथ ही उनके परामर्श को भी ध्यान से सुना और समस्याओं के निराकरण के लिए विस्तार से ब ात भी की।

गृहमंत्री शाह ने 3 बड़े ऐलान किए

119 जिलों के एसपी और अन्य अधिकारी बैठक में रहे शामिल

केंद्र सरकार मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड बना रही

शाह ने कहा कि मोदी सरकार, संबद्ध सीमा रक्षक बल, राज्य और जिला प्रशासन, भारत सरकार के संबंधित हितधारक तथा स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर एक मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण कर रही है। बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर में 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

घुसपैठ से जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव

गृह मंत्री ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में हो रहे जनसांख्यिकी परिवर्तन का मूल कारण घुसपैठ है। मोदी सरकार आइसोलेटेड सीमा चौकी की व्यवस्था से एकीकृत सुरक्षा ग्रिड का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सीमांत क्षेत्रों में जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव की सूचना मिली है।

म्यांमार बॉर्डर पर 610 किलोमीटर लंबी सीमा पर बाड़बंदी हो रही

गृहमंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार 31 हजार करोड़ से 1610 किलोमीटर लंबे म्यांमार बॉर्डर पर बाड़बंदी कर रही है। प्रॉक्सी वार, घुसपैठ, कट्टरपंथ का प्रसार, नारकोटिक्स, तस्करी, ड्रोन, साइबर अपराध, संगठित अपराध और जनसंख्यिकीय परिवर्तन रोकना, सीमा को रहने लायक बनाना और वहां से पलायन रोकना और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारे उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तटीय सीमा सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में भी हम समग्रता से आगे बढ़ेंगे। स्मार्ट बॉर्डर की कल्पना पर आधारित भारत की बॉर्डर सुरक्षा व्यवस्था आने वाले समय में विश्व में सबसे आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था होगी।

रेलवे सुरक्षा और पटरियों की तोड़फोड़ को रोकने व्यापक योजना बना रहे

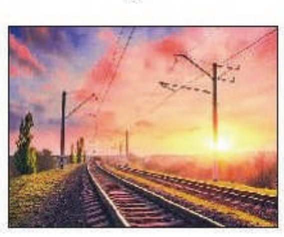

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने रेलवे सुरक्षा और पटरियों की तोड़फोड़ को रोकने के लिए कई सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर एक व्यापक योजना बनाने की बात कही है। इस योजना में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), सीबीआई (सीबीआई) और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) जैसी एजेंसियां शामिल हैं।रेलवे सुरक्षा और समन्वय योजनागृह मंत्रालय और रेल नेटवर्क की सुरक्षा के लिए संयुक्त रणनीतिरेल पटरियों पर किसी भी तरह की तोड़फोड़ या साजिश को नाकाम करने के उपायाखुफिया एजेंसियों और रेलवे पुलिस के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया जाएगा।

दलित छात्रा की हत्या

खरगे का प्रहार, डबल इंजन सरकार का चेहरा 'बेनकाब'

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

मेरठ की दलित छात्रा ललिता गौतम की हत्या के मामले को लेकर कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के बजाय न्याय की मांग उठाने वालों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। खरगे ने कहा कि ललिता गौतम की निर्मम हत्या ने भाजपा की 'डबल इंजन सरकार' का महिला और दलित विरोधी चेहरा फिर उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है, लेकिन सरकार उनकी बात सुनने के बजाय विपक्षी नेताओं और न्याय की मांग करने वालों पर पुलिस कार्रवाई कर रही है।

एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला

खरगे ने दावा किया राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार 2013 से 2024 के बीच महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों में लगभग 42.6 प्रतिशत और एससी के खिलाफ अपराधों में करीब 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। देश में औसतन हर 2 घंटे 3 मिनट में एससी की एक महिला के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज होता है, यानी प्रतिदिन लगभग 12 दलित महिलाओं के साथ दुष्कर्म के मामले सामने आते हैं। ये आंकड़े महिलाओं और दलितों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करते हैं।

कांग्रेस नेताओं को रोकने का आरोप

खरगे ने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस के नेता पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे तो उन्हें गिरफ्तार किया गया, नजरबंद किया गया और पुलिस बल का इस्तेमाल कर रोका गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर उत्तर प्रदेश सरकार विपक्षी नेताओं को पीड़ित परिवार से मिलने से क्यों रोक रही है और परिवार की बात सुनने के बजाय पुलिस कार्रवाई क्यों की जा रही है।

हाथरस और उन्नाव का किया जिक्र

कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने बयान में हाथरस और उन्नाव की घटनाओं का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उन मामलों में भी भाजपा सरकार पर पीड़ितों की आवाज दबाने और सत्ता से जुड़े लोगों को बचाने के आरोप लगे थे। उन्होंने कहा कि मेरठ में भी सरकार का रवैया वैसा ही दिखाई दे रहा है।

दोषियों को कड़ी सजा की मांग

खरगे ने मांग की कि ललिता गौतम हत्याकांड के सभी दोषियों को कठोरतम सजा दी जाए, पीड़ित परिवार को सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित किया जाए तथा विपक्षी नेताओं और परिवार की आवाज को दबाने की कार्रवाई तत्काल बंद की जाए।

राजनीतिक विवाद तेज

मेरठ की इस घटना को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस इसे कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा और दलित अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला बता रही है, जबकि राज्य सरकार का कहना है कि मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक टकराव और तेज होने की संभावना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जन्मदिवस सादगी और गरिमा के साथ मनाया गया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के शीर्ष नेतृत्व एवं अनेक गणमान्य हस्तियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से दी शुभकामनाएँ

अमन लेखनी समाचार/ डॉ0 राज कुमार सिंह चौहान

नई दिल्ली। देश के रक्षा मंत्री, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह का 75वाँ जन्मदिवस देशभर में सादगी, गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और समर्थकों ने विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण, रक्तदान, मिष्ठान वितरण तथा सेवा कार्यों का आयोजन कर उनके स्वस्थ, दीघार्यु एवं यशस्वी जीवन की कामना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना की। प्रधानमंत्री ने उनके सार्वजनिक जीवन, प्रशासनिक अनुभव तथा राष्ट्र की सुरक्षा को सशक्त बनाने में दिए गए योगदान की सराहना की।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को शुभकामनाएँ देने वालों में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, अश्विनी वैष्णव, पीयूष गोयल, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, सी. आर. पाटिल सहित भाजपा शासित राज्यों के अनेक मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने एक्स, फेसबुक एवं अन्य सोशल मीडिया माध्यमों से शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। अनेक नेताओं ने उन्हें राष्ट्रहित, सुशासन, सादगी और संगठनात्मक क्षमता का प्रतीक बताया।

राजनाथ सिंह भारतीय राजनीति के उन विरले नेताओं में गिने जाते हैं, जिन्हें दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर सम्मान प्राप्त है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय कृषि मंत्री, केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री और वर्तमान रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने अपने शांत, संयमित एवं निर्णयक्षम नेतृत्व की विशिष्ट पहचान बनाई है। रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने भारतीय सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

जन्मदिवस के अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं अमन लेखनी समाचार पत्र के प्रधान संपादक राज कुमार सिंह चौहान सहित देशभर से लाखों कार्यकताओं, समर्थकों और नागरिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएँ प्रेषित कर उनके दीर्घ, स्वस्थ एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना की।

बरसात में अग्निशमन विभाग बना जीवन रक्षक

754 लोगों को सुरक्षित निकाला, 5 शव किया बरामद

11 गर्भवती महिलाओं का भी किया गया रेस्क्यू

अमन लेखनी समाचार

वसई। 5 दिन से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने वसई-विरार शहर को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। कई इलाकों में जलभराव, पेड़ गिरने, आगजनी और अन्य आपातकालीन घटनाओं के बीच वसई-विरार शहर महानगरपालिका के अग्निशमन विभाग ने दिन-रात राहत एवं बचाव अभियान चलाकर सैकड़ों लोगों की जान बचाई और हजारों जरूरतमंद नागरिकों तक भोजन पहुंचाकर मानवीय सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया वसई-विरार शहर महानगरपालिका के आयुक्त पृथ्वीराज पी.बी. तथा महापौर अजीव पाटील के मार्गदर्शन में राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी रहा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी रोहन मोरे के नेतृत्व में अग्निशमन विभाग की टीम ने कुल 754 लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया, जिनमें 11 गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। इस प्राकृतिक आपदा के दौरान शहर में 5 लोगों की मृत्यु भी दर्ज की गई। लगातार बारिश के बीच अग्निशमन विभाग ने पेड़ गिरने की 208 घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई की। वहीं घरों, फ्लैटों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में लगी 10 आग की घटनाओं पर समय रहते काबू पाया गया।

पंजाब में बगावत की आग अभी भी दहक रही है...

चन्नी खेमा आज बघेल से मिलेगा, वडिंग बोले- जल्द ही हम सब एक साथ दिखेंगे

भूपेश संबंधित नेताओं से अलग-अलग बात करेंगे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के करीबी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शनिवार को पार्टी के प्रदेश प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल के साथ बैठक करेंगे। बघेल राज्य में पार्टी नेतृत्व में किसी भी तरह के बदलाव की संभावना को खारिज कर चुके हैं। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने यहां संवाददाताओं के सवाल पर कहा कि बघेल ने उन्हें बताया है कि शनिवार को एक बैठक तय की गई है। उन्होंने कहा कि बघेल संबंधित नेताओं से अलग-अलग बात करेंगे।

मुझे सभी स्वीकार कर रहेः वडिंग

चन्नी, सुखजिंदर रंधावा और राणा गुरजीत उन नेताओं में शामिल हो सकते हैं, जो बघेल से मुलाकात करेंगे। क्या चन्नी खेमे ने इस बात पर जोर दिया था कि वडिंग बैठक का हिस्सा न हों, प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें कोई जानकारी नहीं है। चन्नी कब साथ में नजर आएंगे, वडिंग ने कहा कि एक-दो दिन में आप हम सभी को एक साथ देखेंगे। वे किसी से कोई नाराजगी नहीं रखते और कांग्रेस एकजुट है।चन्नी खेमा उन्हें स्वीकार नहीं कर रहा है, वडिंग ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। मुझे सभी स्वीकार कर रहे।

कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल का दावा, टकराव बढ़ता जा रहा

एफसीआरए नियमों पर कैथोलिक बिशप ऑफ इंडिया से शाह ने बोला झूठ

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के नए नियमों को लेकर कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच टकराव और तेज हो गया है। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर झूठ बोलने का आरोप चस्पां किया। उन्होंने कहा, अमित शाह ने कैथोलिक बिशप ऑफ इंडिया को एफसीआरए के मुद्दे पर गुमराह किया है और अपनी सरकार की जिम्मेदारी से बचने के लिए झूठे दावे किए हैं।

वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मोदी सरकार वर्षों से एफसीआरए कानून का इस्तेमाल मुखर सामाजिक संगठनों और अल्पसंख्यक संस्थाओं को परेशान करने तथा उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का उद्देश्य सिविल सोसाइटीज की स्वतंत्रता को कमजोर करना है।

2020 से नियम लगातार सख्त होने का आरोप

कांग्रेस नेता ने कहा कि वर्ष 2020 में केंद्र सरकार ने एफसीआरए कानून में कई कड़े संशोधन किए थे। इनमें संगठनों के लाइसेंस निलंबन की अवधि बढ़ाना, केंद्र सरकार को अधिक जांच अधिकार देना तथा प्रशासनिक खर्चों पर सीमा तय करना शामिल था। उनके अनुसार इन बदलावों से कई गैर-सरकारी संगठनों की सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुईं।

2026 के संशोधनों पर नया विवाद

वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि 2026 में सरकार ने संसद में ऐसा संशोधन लाने का प्रयास किया था जिससे एफसीआरए लाइसेंस समाप्त होने पर संस्थाओं की संपत्तियों पर सरकारी नियंत्रण का रास्ता खुल जाता। विपक्ष के विरोध के बाद सरकार ने विधेयक को आगे नहीं बढ़ाया, लेकिन बाद में वही प्रावधान नियमों के जरिए लागू करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि नए नियमों में संगठनों के कार्यक्षेत्र और भौगोलिक दायरे को सीमित किया गया है। किसी नए राज्य में काम करने के लिए अतिरिक्त अनुमति और शुल्क का प्रावधान किया गया है। साथ ही सोशल मीडिया खातों और प्रकाशनों के विस्तृत खुलासे की अनिवार्यता तथा कुछ मामलों में वैचारिक आधार पर जांच की व्यवस्था भी की गई है। कांग्रेस का दावा है कि इससे स्वतंत्र संस्थाओं पर सरकारी नियंत्रण बढ़ेगा।

2010 के कानून में ऐसे प्रावधान नहीं थे

वेणुगोपाल ने गृह मंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि यदि 2010 में यूपीए सरकार द्वारा बनाए गए मूल एफसीआरए कानून में ऐसे प्रावधान थे तो सरकार उन्हें सार्वजनिक करे। उनका आरोप है कि ये सभी कठोर प्रावधान बाद में मोदी सरकार ने जोड़े हैं और इनका उद्देश्य नागरिक समाज को नियंत्रित करना है।

सरकार का पक्ष : केंद्र सरकार का कहना है कि एफसीआरए में किए गए बदलावों का उद्देश्य विदेशी चंदे की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तकनीक आधारित और जवाबदेह बनाना है। गृह मंत्रालय के अनुसार हाल ही में शुरू किया गया एफसीआरए 2.0 पोर्टल आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाएगा, कागजी कार्यवाही कम करेगा और विदेशी अंशदान की रियल-टाइम निगरानी सुनिश्चित करेगा। सरकार का यह भी कहना है कि ये कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी फंड के दुरुपयोग को रोकने के लिए आवश्यक हैं।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में शाहजहांपुर प्रदेश में नंबर-1

जनशिकायतों के त्वरित निस्तारण से मिली सफलता

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की जून माह की रैंकिंग में शाहजहांपुर ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। जनशिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, सकारात्मक फीडबैक और प्रशासनिक कार्यों में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर जिले ने यह उपलब्धि हासिल की। रैंकिंग में रामपुर दूसरे और बरेली तीसरे स्थान पर रहे।

रामपुर दूसरे और बरेली तीसरे स्थान पर

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के तहत जिलों का मूल्यांकन जनशिकायतों के निस्तारण, शिकायतों पर कार्रवाई, फीडबैक की गुणवत्ता और विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे मानकों पर किया जाता है। शाहजहांपुर के जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जिले ने जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

शिकायतों के समाधान के बाद प्राप्त सकारात्मक फीडबैक के कारण जिले को जून माह की रैंकिंग में 10 में से 9.43 अंक प्राप्त हुए और प्रदेश में पहला स्थान मिला। रामपुर ने 10 में से 9.41 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने और सीएम डैशबोर्ड से प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का सकारात्मक परिणाम रैंकिंग में दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि रामपुर पिछले कई महीनों से प्रदेश के शीर्ष दस जिलों में लगातार शामिल है। बरेली ने 9.30 अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने इसका श्रेय शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित मॉनिटरिंग और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को दिया। जून माह की रैंकिंग में महराजगंज (9.25 अंक) चौथे स्थान पर रहा। आजमगढ़ और मैनपुरी ने समान रूप से 9.24 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से पांचवां स्थान हासिल किया। सोनभद्र और हमीरपुर को 9.23 अंक मिले, जबकि बागपत (9.20 अंक) और लखीमपुर खीरी (9.19 अंक) भी शीर्ष दस जिलों में शामिल रहे। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के सहयोग से विकसित एक ऑनलाइन मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों की रीयल-टाइम समीक्षा करती है। खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों को सुधार के निर्देश दिए जाते हैं, जबकि बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों को रैंकिंग में स्थान मिलता है। इससे जिलों के बीच बेहतर कार्य करने की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है।

यूपी में पूर्व खिलाड़ियों को मिल रहा सम्मान

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में 223 पूर्व खिलाड़ियों को मिली आर्थिक सहायता
- अर्जुन पुरस्कार विजेताओं से लेकर राज्य स्तरीय खिलाड़ियों तक को लाभ

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले भूतपूर्व खिलाड़ियों के सम्मान और उनकी आर्थिक सुरक्षा के लिए भी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में खेल विभाग की भूतपूर्व खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता योजना पूर्व खिलाड़ियों के लिए बड़ा संबल बनकर उभरी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश के 223 पूर्व खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

इस योजना का लाभ अर्जुन, द्रोणाचार्य, ध्यानचंद और खेल रत्न पुरस्कार विजेताओं के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को भी मिल रहा है। इस तरह सरकार की इस पहल से न केवल खिलाड़ियों को आर्थिक सहयोग मिल रहा है, बल्कि उनके योगदान को सम्मान भी प्राप्त हो रहा है। खेल जगत इसे खिलाड़ियों के प्रति योगी सरकार की प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण उदाहरण मान रहा है।

प्रदेश सरकार की ओर से अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार और खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों तथा खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के आधार पर पद्मश्री एवं पद्मभूषण सम्मान प्राप्त खिलाड़ियों को 20 हजार रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जाती है। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित खिलाड़ियों के लिए किसी प्रकार की आय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना के तहत 52 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं को प्रतिमाह 20-20 हजार रुपये की सहायता दी गई। इसी प्रकार 9 द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं, 5 ध्यानचंद पुरस्कार विजेताओं और 2 पद्मश्री सम्मानित खिलाड़ियों को भी प्रतिमाह 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। योजना का लाभ केवल राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है।

राज्य सरकार ने उन खिलाड़ियों को भी इस योजना में शामिल किया है जिन्होंने विभिन्न स्तरों पर उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। इसके तहत राज्य स्तर के 126 भूतपूर्व खिलाड़ियों को प्रतिमाह 4 हजार रुपये, राष्ट्रीय स्तर के 24 खिलाड़ियों को 6 हजार रुपये प्रतिमाह और अंतरराष्ट्रीय स्तर के 5 भूतपूर्व खिलाड़ियों को 10 हजार रुपये प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी गई। इन खिलाड़ियों के लिए कुछ पात्रता शर्तें भी निर्धारित की गई हैं। राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए उनकी मासिक आय 20 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही खिलाड़ी का उत्तर प्रदेश का निवासी होना अनिवार्य है।

योजना के संचालन की प्रक्रिया भी पूरी तरह पारदर्शी बनाई गई है। खेल विभाग संबंधित जिलों के खेल अधिकारियों को आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराता है।

जनपद स्तर के खेल अधिकारी लाभार्थी खिलाड़ियों के बैंक खातों में सीधे आर्थिक सहायता हस्तांतरित करते हैं। इसमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी, नेटबाल, टेनिस, हॉकी, तैराकी, टेबल टेनिस, तलवारबाजी, जिम्नास्टिक, बैडमिंटन, ताइक्वांडो, वुशू, फुटबाल, हैंडबाल, क्रिकेट, बॉक्सिंग, कबड्डी, कुश्ती और शूटिंग समेत कुल 31 खेल शामिल हैं।

यूपी के खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के सम्मान, कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। विभाग पूरी पारदर्शिता के साथ इस योजना का संचालन कर रहा है और पात्र खिलाड़ियों के बैंक खातों में प्रतिमाह सीधे धनराशि हस्तांतरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक पात्र भूतपूर्व खिलाड़ी को इस योजना का लाभ समयबद्ध ढंग से मिले।

यह योजना खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ प्रदेश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

20 आईएएस अफसरों के तबादले

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश में गुरुवार की देर रात एक बार फिर बड़े पैमाने पर सचिव और विशेष सचिव स्तर के 20 आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए गए। तीन जिलों आजमगढ़, बलिया व इटावा के मुख्य विकास अधिकारियों को भी बदला गया है। इसके साथ ही पीसीएस से आईएएस बने कुछ अफसरों को भी तैनाती दी गई है। सुधा वर्मा को सचिव राजस्व से श्रमायुक्त बनाया गया है।

मार्कंडेय शाही के सेवानिवृत्त होने के बाद यह पद रिक्त था। डा. सारिका मोहन महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा तथा सचिव चिकित्सा शिक्षा से महानिरीक्षक निबंधन बनाई गई हैं। नेहा शर्मा महानिरीक्षक निबंधन से महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा तथा सचिव चिकित्सा शिक्षा, अरुण कुमार अपर महानिदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म से मिशन निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य आजीविका मिशन बनाए गए हैं।

जे रीभा विशेष सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म को वर्तमान पद के साथ अपर निदेशक का प्रभार भी दिया गया है। दीपा रंजन मिशन निदेशक राज्य आजीविका मिशन से विशेष सचिव संस्कृति विभाग, संजय कुमार प्रथम विशेष सचिव संस्कृति एवं निदेशक धर्मार्थ कार्य को विशेष सचिव संस्कृति के प्रभार से कार्यमुक्त उन्हें निदेशक संस्कृति का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। विशाल सिंह विशेष सचिव सस्कृति, निदेशक सूचना एवं निदेशक संस्कृति विभाग से विशेष सचिव संस्कृति तथा निदेशक संस्कृति के प्रभार से अवमुक्त कर दिया गया है। संदीप भागिया अपर आयुक्त राज्य कर गौतमबुद्धनगर तथा अपर आयुक्त राज्य कर गाजियाबाद द्वितीय से प्रबंध निदेशक मध्याचंल विद्युत वितरण निगम बनाए गए हैं। संदीप को लेकर वहां काफी विवाद चल रहा था। परीक्षित खटाना मुख्य विकास अधिकारी आजमगढ़ से अपर आयुक्त राज्य कर गौतमबुद्ध नगर, राकेश कुमार पटेल अपर आयुक्त लखनऊ मंडल से मुख्य विकास अधिकारी आजमगढ़, रेणु तिवारी विशेष सचिव महिला कल्याण तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग तथा सचिव राज्य महिला आयोग को विशेष सचिव बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के पद से कार्यमुक्त कर दिया गया है। जग प्रवेश नगर आयुक्त मथुरा-वृंदावन से विशेष सचिव वन पर्यावरण एवं जलवायु प्रवर्तन विभाग, ओजस्वी राज मुख्य विकास अधिकारी बलिया से नगर आयुक्त मथुरा-वृंदावन, आलोक कुमार एडीएम (वि/रा) से मुख्य विकास अधिकारी बलिया बनाए गए हैं। अजय कुमार गौतम मुख्य विकास अधिकारी इटावा से अपर आयुक्त राज्य कर गाजियाबाद प्रथम, संजय कुमार सिंह एडीएम (प्रशासन) से मुख्य विकास अधिकारी इटावा, मनिकंदन ए प्रतीक्षारत से अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त राजस्व परिषद बनाए गए हैं। डा. वंदना वर्मा विशेष सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग तथा संयुक्त प्रबंध निदेशक राज्य चीनी निगम को संयुक्त प्रबंध निदेशक सहकारी चीनी मिल्स संघ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

'वाइल्ड विज्डम ग्लोबल चैलेंज 2026' से जुड़ेगी नयी पीढ़ी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार विद्यालयी शिक्षा को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने की दिशा में नई पहल करने जा रही है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर-इंडिया) की ओर से आयोजित 'वाइल्ड विज्डम ग्लोबल चैलेंज-2026' के माध्यम से कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना, प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पर्यावरणीय चुनौतियों को समझने के लिए वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करना है। प्रतियोगिता में समुद्री जैव विविधता, वन्यजीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषय शामिल होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 15 अगस्त 2026 तक पंजीकरण किया जा सकेगा। प्रतिभागियों को तैयारी के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया की ओर से ई-लर्निंग सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को विषय की बेहतर समझ विकसित करने का अवसर मिलेगा। प्रदेश सरकार का मानना है कि इस पहल से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने सभी जिलों को 15 अगस्त तक अधिकतम पात्र विद्यार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित कराने और प्रतियोगिता में व्यापक सहभागिता कराने के निर्देश दिए हैं।

पौधरोपण महायज्ञ के लिए अफसरों की तैनाती

12 जुलाई को अभियान की निगरानी करेंगे वरिष्ठ अधिकारी

- सभी जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने 12 जुलाई को आयोजित होने वाले पौधरोपण महायज्ञ-2026 को सफल बनाने के लिए शासन स्तर पर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। अभियान के प्रभावी संचालन और निगरानी के लिए प्रदेश के सभी जिलों में वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ये अधिकारी संबंधित जनपदों में पहुंचकर पौधरोपण कार्यक्रम की मॉनिटरिंग करेंगे और जनप्रतिनिधियों व वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से राज्यव्यापी पौधरोपण महायज्ञ का शुभारंभ करेंगे। गोरखपुर में खेल सचिव सुहास एल.वाई. को नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि वाराणसी में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक शंभू कुमार अभियान की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रमुख सचिव (सहकारिता) अजय कुमार शुक्ल को प्रयागराज, प्रमुख सचिव (कृषि) रविंद्र को सहारनपुर, प्रमुख सचिव (नियुक्ति) एम. देवराज को लखनऊ तथा प्रमुख सचिव (स्टांप एवं पंजीयन) अमित गुप्ता को अयोध्या का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा खाद्य सुरक्.ा एवं औषधि प्रशासन की सचिव डॉ. रोशन जैकब को बस्ती, परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन को बलिया, महानिदेशक मत्स्य धनलक्ष्मी के. को जौनपुर, प्रमुख सचिव रणवीर प्रसाद को बहराइच, प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम को आगरा, संयुक्ता समद्दार को फिरोजाबाद, सौरभ बाबू को बरेली, मनीष चौहान को शाहजहांपुर, अनिल कुमार तृतीय को मुरादाबाद और कामिनी रतन चौहान को गाजियाबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में प्रमुख सचिव (हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग) अनिल कुमार सागर रायबरेली, प्रमुख सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) पंधारी यादव उन्नाव, प्रमुख सचिव (आवास एवं शहरी नियोजन) पी. गुरु प्रसाद सीतापुर, प्रमुख सचिव (श्रम एवं सेवायोजन) डॉ. शनमुगा सुंदरम एमके कानपुर नगर, प्रमुख सचिव (राजस्व) अपर्णा यू कन्नौज, अनिल गर्ग नोएडा तथा रंजन कुमार बागपत में अभियान की निगरानी करेंगे। सरकार के अनुसार, सभी नोडल अधिकारी अपने-अपने जनपदों में पौधरोपण कार्यक्रम की तैयारियों, पौधों की उपलब्धता, रोपण स्थलों की व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करेंगे, ताकि प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ को सफल बनाया जा सके।

डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल से महिलाओं को मिल रहा कौशल और सम्मान

देवलोक कॉलोनी स्थित तारा शक्ति केंद्र के निरीक्षण में स्वरोजगार और महिला सशक्तिकरण की पहल की सराहना, प्रतिभागियों ने जताया आभार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा संचालित तारा शक्ति केंद्र, देवलोक कॉलोनी का शुक्रवार को सुधा काला और निशा सिंह ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर संचालित प्रशिक्षण एवं महिलाओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया तथा प्रतिभागियों से संवाद कर उनके अनुभव भी जाने।

निरीक्षण के दौरान दोनों ने कहा कि विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रयासों से संचालित तारा शक्ति केंद्र महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से आगामी विधानसभा चुनाव में डॉ. राजेश्वर सिंह को एक लाख मतों से विजयी बनाने का संकल्प भी दिलाया। इस अवसर पर केंद्र की प्रतिभागियों ने विधायक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। केंद्र संचालक गीता एवं राज किशोर पासी ने कहा कि ताराशक्ति केंद्र मातृशक्ति के उत्थान का प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। इन केंद्रों के जरिए महिलाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण मिल रहा है, जिससे उनकी आय बढ़ रही है और वे आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर हो रही हैं। उन्होंने इस पहल को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

बार एसोसिएशन कार्यालय में नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित ट्रांसपोर्ट बार एसोसिएशन कार्यालय में शुक्रवार शाम नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों ने पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। समारोह में एडवोकेट विनोद कुमार तिवारी ने अध्यक्ष, जबकि एडवोकेट राम कुमार सिंह (सुभाष सिंह) ने महामंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान अधिवक्ताओं ने संगठन की एकजुटता, न्यायिक गरिमा और अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस नवगठित

कार्यकारिणी में एडवोकेट वीरेन्द्र कुमार मिश्रा, एडवोकेट अशोक द्विवेदी व एडवोकेट अनिल कुमार मिश्रा को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं मंत्री पद की जिम्मेदारी एडवोकेट सुरेश कुमार शर्मा, एडवोकेट ज्ञान बहादुर सिंह और एडवोकेट अंकित शर्मा को सौंपी गई। इसी प्रकार एडवोकेट मुकेश और एडवोकेट विजय शंकर त्रिपाठी कोषाध्यक्ष, एडवोकेट शिवनन्दन यादव मीडिया प्रभारी, एडवोकेट शैलेश कुमार श्रीवास्तव व एडवोकेट श्रीचन्द्र सिंह लेखा परीक्षा और एडवोकेट वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए गए। इसी प्रकार कार्यकारिणी सदस्यों में एडवोकेट दीपक कुमार सिंह राठौर, एडवोकेट निरंकार प्रसाद श्रीवास्तव, एडवोकेट बृजेश कुमार अग्निहोत्री, एडवोकेट प्रभात श्रीवास्तव, एडवोकेट सैयद हसन मेहदी जैदी, एडवोकेट आशुतोष मिश्रा और एडवोकेट प्रवीण तिवारी को शामिल किया गया। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान संगठन के वरिष्ठ अधिवक्ताओं व सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को फूल माला पहनाकर बधाई देने के साथ आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा, संगठन को और अधिक मजबूत बनाने व न्यायिक व्यवस्था में सकारात्मक योगदान देने की दिशा में प्रभावी कार्य करेगी। समारोह का समापन सभी पदाधिकारियों व अधिवक्ताओं के आपसी सहयोग और संगठन की मजबूती के संकल्प के साथ हुआ।

दरोगा के बंद मकान से 20 लाख से अधिक के जेवर चोरी, परिवार मुंडन संस्कार में गया था

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र में चोरों ने एक दरोगा के बंद मकान को निशाना बनाते हुए 20 लाख रुपये से अधिक के सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। घटना उस समय हुई, जब दरोगा ड्यूटी पर थे और उनका परिवार सबसे छोटे बेटे के मुंडन संस्कार के लिए विंध्याचल गया हुआ था। शुक्रवार को परिवार के लौटने पर चोरी का खुलासा हुआ। जानकारी के अनुसार, मलिहाबाद थाने में एसएसआई पद पर तैनात संजय यादव न्यू ग्रीन सिटी कॉलोनी, हैबतमऊ मवैया में परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि 8 जुलाई को उनकी पत्नी कविता यादव और दोनों बच्चे मुंडन संस्कार के लिए विंध्याचल गए थे, जबकि वह स्वयं ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान चोरों ने मकान की बाउंड्री वॉल फांदकर घर में प्रवेश किया और कमरों व अलमारियों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के सभी कीमती जेवर समेट ले गए। शुक्रवार शाम करीब चार बजे जब परिवार वापस लौटा तो घर के ताले टूटे मिले और कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना पर पीजीआई इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह पुलिस बल और फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पीड़ित दरोगा के अनुसार चोरी हुए जेवरों की कीमत 20 लाख रुपये से अधिक है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

गाली गलौज और मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप,रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बन्थरा थाना क्षेत्र के बंथरा गाँव निवासी महिला ममता ने मोहल्ले के ही रजत सिंह, आकाश सिंह, अंशुमान सिंह, हिमांशु सिंह और उनके अन्य अज्ञात साथी के खिलाफ बेटे के साथ गाली गलौज और मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। ममता के मुताबिक उनका बेटा आशुतोष यादव शाम करीब 6:30 बजे निजी कार्य से घर से निकला था। इसी दौरान घर से कुछ दूरी पर टीवीएस एजेंसी के पास रजत सिंह, आकाश सिंह, अंशुमान सिंह, हिमांशु सिंह और उनके अज्ञात साथी ने गाली-गलौज करते हुए आशुतोष की बेरहमी से पिटाई कर दी और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। हमले में आशुतोष गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। आसपास के लोगों ने उसे बिजनौर स्थित अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसके सिर में गंभीर चोट होने की बात बताई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी अस्पताल के आसपास भी मंडरा रहे हैं, जिससे परिवार में भय का माहौल है। फिलहाल बन्थरा पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चार साल की बच्ची को अगवा कर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

शर्मनाक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीती रात घर में सो रही एक नाबालिग मासूम को एक युवक ने अगवा कर जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया। मां की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी नाबालिग बृहस्पतिवार रात परिवार के साथ सो रही थी। घटना के समय मां घर के बाहर खेतों की ओर शौंच के लिए गई थी। उसी दरमियान आरोपी परिवार के साथ सो रही नाबालिग को वहां से अगवा कर उठा ले गया। वापस लौटी मां ने देखा कि उसकी मासूम 4 वर्षीय बेटी बिस्तर पर नहीं है, जिसको लेकर इधर-उधर उसकी तलाश शुरू कर दी बेटी के न मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। तभी जानकारी हुई की पड़ोस के गांव निवासी अमित रजनीश उर्फ कृष्णा घर के बाहर आसपास चक्कर लगा रहा था। जिससे परिजनों को शक

पुलिस गिरफ्त में आरोपी - फोटो

हुआ कि उसी ने बेटी को अपहरण कर उठा ले गया है। कई घंटों की तलाश के बाद मासूम गांव से करीब डेढ़ किलोमीटर दूरी पर तालाब के पास बदहवास हालत में आरोपी के साथ मिली। काफी देर तक डरी सहमी मासूम किसी से कुछ नहीं बोली। मां ने गले से लगाया तो चीखकर रोने लगी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मां की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ एसटी एससी, दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट सहित अन्य सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर। मासूम को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया है। दो वर्ष पहले चार वर्षीय मासूम के पिता की सड़क हादसे मे मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि आरोपी नशे का आदी है। घटना की जानकारी होते ही एडीसीपी उत्तरी ट्विंकल जैन, मलिहाबाद एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह घटना स्थल पर पहुंचे जहां बारीकी से निरीक्षण कर आसपास लोगों से आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी के विरुद्ध पहले से माल और रहीमाबाद थाने में कई आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। वह उन कई मामलों में जेल भी जा चुका है।

आस्था के नाम पर राजनीति, चढ़ावे के नाम पर लूट : दीपेन्द्र सिंह हुड्डा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यसमिति के सदस्य एवं सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर भाजपा-आरएसएस पर निशाना साधा। दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि तीन बड़े सवाल हैं, जब ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री की देखरेख में हुआ, तो इस घोटाले की जवाबदेही कौन लेगा? अगर सब कुछ ठीक था, तो चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे क्यों हुए? अगर कुछ गलत नहीं हुआ, तो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच से डर किस बात का है? भाजपा, विश्व हिंदू परिषद और संघ परिवार के संगठनों ने लगभग तीन दशकों तक भगवान राम के नाम पर राजनीति की, देश के गरीब व मध्यम वर्ग से राम के नाम पर चंदा एकत्र किया और इसी आंदोलन के आधार पर सत्ता प्राप्त की। आज वही करोड़ों रामभक्त यह पूछने को मजबूर हैं कि भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा और चढ़ाया आखिर किसके संरक्षण में लूटा गया? यह केवल आर्थिक घोटाला नहीं है। यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और भावनाओं के साथ किया गया घोर विश्वासघात है। अब तक सामने आए तथ्य अत्यंत गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की मांग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सामने जवाब दें, इतने गंभीर आरोपों के बाद वे अब तक मौन क्यों हैं।

सड़क सुरक्षा समिति की डीएम ने की बैठक दिए कड़े निर्देश

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने शुक्रवार को विकास भवन सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लापरवाही बर्दाश्त न करने की बात कही।

डीएम ने ओवरलोड वाहनों, अनफिट स्कूल बसों, अतिक्रमण और यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया। जिलाधिकारी ने संभागीय परिवहन अधिकारी को जनपद में ओवरलोड बसों और ट्रकों की प्रतिदिन जांच करने का निर्देश दिया।

उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियमित चेकिंग अभियान चलाकर ओवरलोड वाहनों को सीज करने और चालकों के लाइसेंस रद्द करने के निर्देश दिए। बांगरमऊ और पुरवा क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ अभियान तेज करने पर विशेष जोर दिया गया।स्कूल वाहनों की फिटनेस को लेकर भी डीएम ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने निर्देश दिए कि बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के चल रही स्कूल बसों को 15 दिन के भीतर नोटिस जारी किया जाए। यदि निर्धारित समय में सुधार नहीं होता है, तो जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संबंधित विद्यालय की मान्यता रद्द करने की कार्रवाई करें। ऐसे अनफिट वाहनों को सीज करने का भी आदेश दिया गया। एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्गों पर लंबी दूरी तय करने वाली बसों की सुरक्षा पर भी बैठक में चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने यूपीडा अधिकारियों को निर्देश दिया कि 500 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करने वाली बसों में दो चालक अनिवार्य रूप से होने चाहिए। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बसों की फिटनेस, क्षमता और संचालन की नियमित जांच के लिए कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए गए।डीएम ने पुलिस, परिवहन विभाग और नगर पालिका को शहर में अतिक्रमण हटाने के लिए संयुक्त अभियान चलाने का निर्देश दिया। सड़कों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाने और यातायात को सुचारु बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड, रोड मार्किंग, स्ट्रीट लाइट, स्पीड ब्रेकर और आवश्यक यातायात संकेतक लगाने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, बिना लाइसेंस, ओवरस्पीड और नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ नियमित अभियान चलाने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि नाबालिग बच्चों को वाहन देने वाले अभिभावकों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक अमिताभ यादव, सिटी मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी संजीव कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक सुनील दत्त, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट के आदेश पर युवक का कब्र से शव निकाल कर कराया गया पोस्टमार्टम

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में हुई एक सड़क दुर्घटना में युवक की मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मृतक के पिता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बेटे की मौत को दुर्घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या बताया है। हाईकोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को युवक का शव कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक के पिता सलीम ने बताया कि उनका 27 वर्षीय पुत्र आरिफ 27 जून को पड़ोसी जुनेद के साथ घूमने गया था। शाम करीब चार बजे जुनेद ने फोन कर बताया कि फरीदीपुर मोड़ के पास सड़क दुर्घटना में आरिफ गंभीर रूप से घायल हो गया है। परिजन उसे पहले हसनगंज अस्पताल और फिर लखनऊ ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।सलीम के अनुसार, उस समय सदमे में होने के कारण उन्होंने बेटे का पोस्टमार्टम नहीं कराया और अंतिम संस्कार कर दिया था। हालांकि, बाद में उन्हें घटना पर संदेह हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि जुनेद घटना के बाद से उनसे मिलने से बच रहा है और संतोषजनक जवाब नहीं दे रहा है। सलीम ने यह भी दावा किया कि

आरिफ के शरीर पर ऐसी चोटें थीं, जिनसे उन्हें आशंका है कि यह हत्या करके शव को सड़क पर रखकर दुर्घटना का रूप दिया गया है।सलीम ने अपनी याचिका में मांग की थी कि मृतक की कब्र खुदवाकर पोस्टमार्टम कराया जाए, आरोपित युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जाए और जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। हाईकोर्ट ने इस पर संज्ञान लेते हुए शव को कब्र से निकलवाकर मजिस्ट्रेट की निगरानी और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराने का आदेश दिया। हाईकोर्ट के निर्देश के अनुपालन में शुक्रवार सुबह प्रशासन की मौजूदगी में हसनगंज क्षेत्र के आवामी कब्रिस्तान में शव को कब्र से निकालने की प्रक्रिया शुरू हुई। सुबह 8 बजकर 19 मिनट पर यह प्रक्रिया शुरू हुई और लगभग एक घंटे बाद शव को कब्र से बाहर निकाल लिया गया।इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शव को जिला अस्पताल उन्नाव भेज दिया गया। इस दौरान न्यायिक उपजिलाधिकारी हसनगंज उदयवीर सिंह, संयुक्त अभियोजन अधिकारी उन्नाव मोहम्मद तारिक खान, क्षेत्राधिकारी हसनगंज तेज बहादुर सिंह, सीएचसी प्रभारी डॉ. नितिन श्रीवास्तव तथा कोतवाली प्रभारी शरद कुमार सिंह क्राइम इंस्पेक्टर अनुरुद्ध प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे।वहीं मृतक के पिता और भाई सहित अन्य लोग मौजूद थे और शव को पीएम के लिए भेजा गया वहीं हसनगंज क्षेत्र अधिकारी तेज बहादुर सिंह ने बताया- अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आरिफ की मौत वास्तव में सड़क हादसे में हुई थी या फिर इसके पीछे कोई और वजह थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर है, जो इस पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने में अहम भूमिका निभा सकती है। वही सैंपल के लिए मिट्टी ली गई।

संक्षेप

नगदी व जेवरात लेकर किशोरी हुई लापता पिता ने दी तहरीर

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि बुधवार की सुबह सत्रह साल की नाबालिक पुत्री कहीं गायब हो गयी शाम तक घर नहीं पहुंची तो आसपास खोज बीन की इस दौरान पता चला कि इसी थाना क्षेत्र के भिम्मा खेडा गांव निवासी सर्वेश पुत्र केदार जिसका गांव आना जाना लगा रहता था अपने प्रेम जाल में फंसा कर कहीं भगा ले गया बेटी साथ में जेवरात और नगदी भी ले गयी सर्वेश के साथ उसी के गांव निवासी विकास पुत्र नन्हकऊ भी शामिल था जो दोनों को भगाने के बाद वापस गांव लौट आया इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि पिता की तहरीर पर दो युवकों के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर तालाब मे पलटा चालक घायल

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के दुबाई गांव निवासी नीरज 25 पुत्र रमेश पासी पूर्व प्रधान सूरजपाल का ट्रेक्टर से खेत जोत कर वापस आ रहा था। गांव के किनारे दुबाई गोसीखेड़ा मार्ग पर तालाब के किनारे अनियंत्रित होकर तालाब मे पलट गया। चालक नीरज ट्रेक्टर के नीचे दब गया। जिससे गम्भीर चोट आई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायल को सीएचसी पाटन ले गये। जहां से उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि घटना की सूचना नही मिली है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भैंसई कोयल निवासी राम गोपाल पुत्र राजकिशोर ने थाने में तहरीर देकर कहा कि मेरी धर्मपत्नी व छोटा-बेटा खेत जुतवाकर घर वापस आ रहा था कि रास्ते में माधुरी पत्नी अनिल कुमार व शिवानी पुत्री अनिल कुमार से विवाद हो गया इस बात को लेकर गाली गलौज करने लगे जिस संबंध में मैं थाने में प्रार्थना पत्र दिया इस बात को लेकर अनिल कुमार पुत्र राज किशोर उसकी पत्नी माधुरी पुत्री शिवानी प्रीती उनके साथ बब्बन सज्जन बबलू पुत्रगण विद्यासागर व राजेश पुत्र कैलाश निवासी मिजार्पुर सुमारी थाना पुरवा ह शिवम पुत्र अज्ञात अन्य लोग मोटरसाइकिल से आकर मेरे घर में घुसकर मेरी पत्नी मेरे बेटे आयुष के साथ गाली गलौज करने लगे मेरी पत्नी व बेटे को मारा पीटा जिससे गंभीर चोटे आई वही माधुरी पत्नी अनिल कुमार ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर कहा कि कि मेरे पति व बड़ी पुत्री पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने लखनऊ गए थे उस दिन दोपहर 1:00 बजे प्रार्थी के जेठ के लड़के शशांक शुक्ला और ऋषि शुक्ला पुत्रगण रामगोपाल जेठानी उमा देवी व जेठ रामगोपाल पुत्र स्वर्गीय राज किशोर अपने साथी के साथ एक राय होकर प्रार्थना के घर में घुस आए और प्राथमिक की छोटी पुत्री शिवानी के साथ गाली गलौज करते हुए बाल पड़कर लात घुसो से मारा पीटा बचाव करने पर उक्त लोगों ने जान से मार देने की धमकी देते हुए चले गए और मेरे पुत्री के अंदरूनी छोटे आई दोनों तरफ की तहरीरो के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया।

पूर्व विवाद को लेकर दंपति ने युवक को लाठी डंडों से पीटा

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में पूर्व विवाद को लेकर पड़ोसी दंपती ने एक युवक को लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना गुरुवार रात की है। सुनील नामक युवक अपने घर के बाहर बैठा था, तभी पड़ोसी विनोद पुत्र होरीलाल और उसकी पत्नी ने पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। सुनील द्वारा विरोध करने पर दंपती ने उसे लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर आसीवन पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल सुनील को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया। एंबुलेंस चालक सुनील कुमार और ईएमटी आकाश कुमार ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों, पंकज वर्मा और अभिषेक चक्रवर्ती ने सुनील की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सुनील की पत्नी पूजा ने शुक्रवार को आसीवन पुलिस को तहरीर दी। आसीवन थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और उचित कार्रवाई की जाएगी।

जीआरपी मुख्यालय लखनऊ में 12 पुलिस कर्मियों का जनपद से किया ट्रांसफर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में पुलिस विभाग के बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत चौकी इंचार्ज सहित 12 पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण जीआरपी मुख्यालय लखनऊ कर दिया गया है। पुलिस महानिरीक्षक (स्थापना) के आदेश के बाद स्थानांतरण सूची जनपद को प्राप्त हुई है, और जल्द ही आदेश के अनुपालन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

स्थानांतरित किए गए पुलिसकर्मियों में अचलगंज थाना क्षेत्र की कोल्हागढ़ा चौकी के प्रभारी उपनिरीक्षक जितेंद्र यादव प्रमुख हैं। उनके अतिरिक्त, उपनिरीक्षक आदित्य मौर्य और उपनिरीक्षक मोहम्मद मुस्ताक को भी जीआरपी मुख्यालय लखनऊ भेजा गया है।

इस सूची में तीन हेड कांस्टेबल और छह कांस्टेबल भी शामिल हैं। हेड

कांस्टेबल मोहम्मद वसीम अहमद, सुधाकर सिंह, गौरव कुमार तिवारी और आनंद अग्निहोत्री का भी तबादला हुआ है। वहीं, कांस्टेबल गोपाल द्विवेदी, राहुल कुमार, अरमान मलिक, सौरभ कुमार और रविंद्र पाल को भी उन्नाव से जीआरपी मुख्यालय लखनऊ स्थानांतरित किया गया है।

पुलिस विभाग के अनुसार, ये स्थानांतरण नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को शीघ्र कार्यमुक्त कर उन्हें नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए जाएंगे। इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित शाखाओं को निर्देश जारी किए जा रहे हैं।पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक (स्थापना) की ओर से स्थानांतरण आदेश प्राप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को जल्द ही कार्यमुक्त कर दिया जाएगा, ताकि वे समय पर अपनी नई तैनाती पर योगदान दे सकें।

इन स्थानांतरणों के बाद संबंधित थानों और चौकियों पर रिक्त हुए पदों पर नए पुलिसकर्मियों की तैनाती भी जल्द किए जाने की संभावना है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग की व्यवस्था किसी भी तरह से प्रभावित न हो।

मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के कालूखेड़ा भल्ला फार्म मार्ग पर कांथा गांव के बाहर फैक्ट्री काम के लिए जा रहे युवक की बाइक किसी जानवर से टकरा गई जिससे वह गंभीर घायल हो गया इलाज के लिए जाते समय उसकी मौत हो गई ,प्राप्त जानकारी के अनुसार दलित बस्ती कांथा निवासी स्वर्गीय मोहन गौतम का 24 वर्षीय पुत्र अंकित प्रतिदिन की भांति बृहस्पतिवार शाम घर से मित्रों के साथ बाइक से काम पर जा रहा था अभी वह गांव से चंद कदम दूर ही पहुंचा था कि अचानक बाइक के सामने जानवरों के आ जाने से बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर बिखर गया आनन फानन उसे इलाज के लिए समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज ले

जाया गया जहां अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई मौत की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई व परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है मृतक चार भाई थे जिसमे एक भाई की मौत बहुत पहले हो चुकी है तथा पिता का भी स्वर्गवास हो चुका है। म्रतक की माँ जमुनादेई भाई शिवचन्द व जय चंद का रो रो बुरा हाल है।

सरैया घाट पुल के पास हुए कटान का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। शुक्रवार को जिलाधिकारी और एस पी ने प्रशासनिक एवं पुलिस अमले के साथ क्षेत्र का भ्रमण कर शिवराजपुर काली मिट्टी मार्ग पर सरैया घाट पुल के निकट हुए कटान का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी और अन्य अधिकारी दबौली होते हुए हिंदूपुर गाँव के आगे पिछली बरसात में हुए कटान स्थल पहुँचे और निरीक्षण किया। गतवर्ष गंगा में बाढ़ से शिवराजपुर काली मिट्टी मार्ग का काफी बड़ा भाग कट गया जिससे वाहन निकलना कठिन हो गया था। बाद में काफी प्रयासों से वैकल्पिक मार्ग बनवाकर आवागमन शुरू कराया गया है जिससे दो पहिया और चार पहिया वाहन निकलने लगे लेकिन बड़े वाहनों का आना जाना सम्भव नहीं हो सका। अब जबकि फिर बरसात का मौसम आने वाला है तो वैकल्पिक मार्ग पर भी खतरा मंडरा रहा है। कटे रोड के निर्माण पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिससे कटरी वासियों को आने वाले समय में आवागमन की चिन्ता सता रही है। जिला अधिकारी ने अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया और निर्देश दिये बाढ़ राहत केंद्र निर्धारित करलिए जायें और उनमें सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जाए जिसमें पेयजल, सुरक्षा, आवागमन के साधन आदि हों। उन्होंने बाढ़ की स्थिति की नियमित निगरानी के निर्देश भी दिए। साथ ही स्थानीय लोगों से बातचीत कर उन्हें भी बाढ़ की स्थिति में सतर्क व सुरक्षित रहने की बात कही। कटान की स्थिति पर भी नजर बनाए रखने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। डी एम के साथ एस पी, एस डी एम बांगरमऊ, सिंचाई, पी डब्लू डी, राजस्व, तथा अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी वहां मौजूद रहे। वहां मौजूद विधायक श्री कान्त कटियार ने कहा कि जनहित सर्वोपरि है। किसी भी प्रभावित व्यक्ति को सहायता से वंचित न रहने दिया जाए।

सर्राफा एसोसिएशन ने नवागत चौकी इंचार्ज को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। भगवंत नगर चौकी पर नवागत चौकी इंचार्ज के.के. सिंह के पदभार ग्रहण करने पर सोमवार को भगवंत नगर सरार्फा एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उन्हें फूल-माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर भव्य स्वागत किया।एसोशिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार(अंशू सोनी) के नेतृत्व में पहुंचे व्यापारियों ने नए इंचार्ज को क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान बाजार में सुरक्षा व्यवस्था और जाम की समस्या पर भी चर्चा की गई।नवागत चौकी इंचार्ज के.के. सिंह ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा और अपराध पर अंकुश लगाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के आपसी सहयोग से ही अपराध मुक्त क्षेत्र बनाया जा सकता है। उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाने और बाजार में संदिग्ध

लोगों पर कड़ी नजर रखने का भी भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुनील सोनी, आकाश सोनी, संगठन मंत्री रामू सोनी, विवेक सोनी, मंत्री रोहित सोनी, तथा सदस्य नीरज सोनी, सत्यम सोनी, सुमित सोनी, धीरू सोनी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे

खेत से घर लौट रहे युवक की ट्रेन की चपेट से मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र के नवाबगंज कुंजपुर गांव के पास गुरुवार शाम एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 19 वर्षीय अमित पुत्र कमलेश, निवासी नवाबगंज कुंजपुर, थाना अजगैन के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि अमित गुरुवार शाम खेत पर काम करने के बाद घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। अजगैन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। शुक्रवार सुबह परिजन जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।परिजनों के अनुसार, अमित खेती-किसानी का काम करता था और परिवार के कृषि कार्यों में हाथ बंटाता था। वह अपने माता-पिता का सबसे छोटा बेटा था। परिवार में उसके दो बड़े भाई और एक बहन हैं। अजगैन थाना प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

20 करोड़ की निविदाओं को लेकर खड़ा हुआ विवाद

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट नगर पालिका परिषद की ओर से जारी की गई करीब 20 करोड़ रुपये की निविदाओं को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सामाजिक कार्यकर्ता राजीव शुक्ला ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी घनश्याम मीना से मुलाकात की। उन्होंने प्रार्थना पत्र सौंपते हुए टेंडर प्रक्रिया में वित्तीय अनियमितता और शासनादेशों के उल्लंघन का आरोप लगाया। शुक्ला ने मामले की निष्पक्ष जांच, निविदाओं को निरस्त करने और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। राजीव शुक्ला का आरोप है कि गंगाघाट नगर पालिका परिषद ने 18 जून को लगभग 20 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित कीं। जबकि, पालिका के पास उपलब्ध बजट इस राशि से काफी कम है। उन्होंने दावा किया कि शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि निकाय केवल उपलब्ध बजट के अनुरूप ही निविदाएं जारी कर सकते हैं। बजट से अधिक की निविदा आमंत्रित करना वित्तीय अनियमितता माना जाता है।शुक्ला ने बताया कि इस संबंध में पहले भी अधिशासी अधिकारी (ईओ) को शिकायत दी गई थी। उस समय उन्हें आश्वासन मिला था कि टेंडर प्रक्रिया निरस्त कर दी जाएगी। हालांकि, बाद में निविदा आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई, जिसके बाद जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की गई है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2025 में जारी शासनादेश के अनुसार, 3.75 मीटर से अधिक चौड़ाई वाली सड़कों का निर्माण इंटरलॉकिंग से नहीं, बल्कि सीसी सड़क के रूप में होना चाहिए।इसके बावजूद, गंगाघाट क्षेत्र में कई चौड़ी सड़कों को इंटरलॉकिंग निर्माण के लिए प्रस्तावित किया गया है। साथ ही, कुछ परियोजनाओं के एस्टीमेट में मिट्टी भराई सहित अन्य मदों में लागत अधिक दशार्ने का भी आरोप है।राजीव शुक्ला ने यह भी उल्लेख किया कि नगर पालिका में पूर्व में भुगतान संबंधी अनियमितताओं के मामले सामने आ चुके हैं। उनका दावा है कि एक मामले में सामग्री की आपूर्ति से पहले ही भुगतान कर दिया गया था, जिसकी शिकायत लोकायुक्त में विचाराधीन है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिना आवश्यक एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) के भी कुछ कार्य कराए गए हैं।

जीने से नीचे गिरी महिला हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। थाना आसीवन क्षेत्र के सुक्खा खेड़ा मजरा मतलबपुर गांव निवासी बिलासा सिंह 60 वर्ष पत्नी बलराम सिंह कपड़े धुल कर छत पर सुखाने के लिए गई थी तभी अचानक छत से उतरते समय जीने से उसका पैर फिसल गया गया और वो घर के आंगन में गिर कर घायल हो गई ये देख परिजन उसे सीएचसी सफीपुर में भर्ती कराया जहां पर मौजूद चिकित्सक ने गंभीर हालत देखते हुए उसे जिला अस्पताल भेज दिया।

रहस्यमय तरीके से किशोर हुआ लापता तलाश जारी

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। टेंट का सामान लेने गया किशोर रहस्यमय ढंग से कही लापता हो गया तमाम खोजबीन के बाद कुछ पता ना चलने पर पिता ने कार्यवाही की मांग की है। बांगरमऊ के गांव रतई पुरवा निवासी लालाराम पुत्र भगवानदीन ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि उसका 17 वर्षीय पुत्र विपुल कुमार बीते गुरुवार को दोपहर करीब एक धार्मिक स्थल से टेंट लादने के लिए घर से निकला था किंतु घर नहीं लौटा तो तमाम नाते रिश्तेदारी व संभावित ठिकानो पर उसकी खोजबीन की गई किंतु पता नहीं चल सका आहत पिता ने पुलिस से कार्यवाही की मांग की है।

ट्रक चालक से नगदी व मोबाइल फोन लुटा जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के नवाबगंज टोल प्लाजा के पास देर रात ट्रक चालक से लूटपाट की वारदात हो गई। बाइक सवार दो बदमाश चालक का मोबाइल फोन और नगदी लूटकर फरार हो गए। विरोध करने पर बदमाशों ने चालक को जमीन पर गिराकर डंडों से बेरहमी से पीट दिया, जिससे वह घायल हो गया। फतेहपुर जिले के जहानाबाद निवासी अनिल उन्नाव से दूध लेकर ट्रक से लखनऊ जा रहे थे। चालक के मुताबिक वह नवाबगंज टोल प्लाजा के पास पेशाब करने के लिए ट्रक से नीचे उतरे थे। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार दो युवकों ने उन्हें पकड़ लिया और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि बदमाश उनका मोबाइल फोन और नगदी छीनकर भागने लगे। विरोध करने पर उन्होंने डंडों से हमला कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक से पूछताछ की। पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है। चौकी प्रभारी मुकुल दुबे ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला मारपीट का सामने आया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध युवक को चोरी के शक में पकड़ा जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के चम्पापुरवा मंशुखखेड़ा मोहल्ले में गुरुवार देर रात चोरी के संदेह में स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। सूचना पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया। घटना रात करीब साढ़े 11 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, देर रात एक संदिग्ध युवक मोहल्ले में घूमता दिखा। उसके व्यवहार पर शक होने पर लोगों ने उसे घेर लिया। पूछताछ में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिसके बाद उसे पकड़कर पुलिस को सूचना दी गई। देखते ही देखते मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।इसी बीच, संदिग्ध युवक के परिजन भी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि परिजन सरिया और डंडे लेकर आए और युवक को छुड़ाने का प्रयास करते हुए हंगामा करने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई। माहौल बिगड़ता देख डायल-112 पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया।पुलिस ने भीड़ को शांत कराया और संदिग्ध युवक को अपनी अभिरक्षा में लेकर आगे की पूछताछ के लिए कोतवाली ले गई। पुलिस के समय पर पहुंचने से किसी बड़े विवाद की स्थिति टल गई। घटना के बाद कुछ देर तक क्षेत्र में लोगों की भीड़ लगी रही।पुलिस का कहना है कि युवक से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि वह चोरी की किसी घटना में शामिल था या नहीं। साथ ही, घटना के दौरान हुए हंगामे और मारपीट की सूचना के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में किसी की भूमिका सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पूरे मामले की जांच जारी है और युवक की वास्तविक संलिप्तता पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

विद्युत आपूर्ति चरमराई उपभोक्ता परेशान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सोनिक पॉवर हाउस से बना चमरौली द्वितीय फीडर में 10 दिनों से बिजली आपूर्ति बदहाल है। विभाग द्वारा पेड़ो की छटाई, जर्जर तार व तारो के इंसुलेटर की फाल्ट से उपभोक्ताओं को चार घण्टे भी आपूर्ति नही मिल पा रही है उपभोक्ता हांथ पंखे के सहारे रात गुजारने को मजबूर हैं। सोनिक पावर हाउस से बना चमरौली द्वितीय फीडर से तारगांव ,ओरहर, चांदपुर, रायपुर बुजुर्ग,जमुका व दुआ गाँव इनके 40 मजरों की 25 हजार आबादी की विद्युत आपूर्ति इसी फीडर से होती है। 10 दिनों से उपभोक्ताओं को 24 घण्टे में चार घन्टे भी बिजली आपूर्ति नही मिल पा रही है। उपभोक्ताओ में कल्लू सिंह,संतोष,ब्रजेश रावत, इरशाद,शिवम शुक्ला व शिव विनोद ने बताया बिजली विभाग के अधिकारियों ने बरसात के पहले गाँव से गुजरी हाईटेंशन लाइन के पास पेड़ो की टहनियां विभाग द्वारा पहले छटाई न कराए जाने पर तारो को छू जाने से पूरी लाइन फाल्ट हो जाती है।खम्भार खेड़ा गांव के पास गंगा एक्सप्रेस वे के नीचे गुजरी अंडरग्राउंड का एक केबल भी जल चुका है जिससे आए दिन लाइन फाल्ट में बनी रहती है। उपभोक्ता रात को हांथ पंखे के सहारे रात गुजारने को मजबूर है। गुरुवार दिन से लेकर रात 12 बजे रात तक लाइट फाल्ट हो गयी। उपभोक्ताओं ने इसकी शिकायत जेई रणवीर सिंह व अधिशाषी अभियंता से की।रात 12 बजे के बाद आपूर्ति चालू हो सकी सुबह 5 बजे फिर आपूर्ति ठप कर दी गयी। उपभोक्ताओं ने चेतावनी दी है कि इस फीडर में विभाग द्वारा शीघ्र जर्जर तार बदलने पेड़ो की छटाई का कार्य नही कराया गया तो उपकेन्द्र का घेराव करने को मजबूर होंगे।

सम्पादकीय

ट्रंप का फीफा पर दबाव बनाना असामान्य कदम

पिछले करीब डेढ़ साल से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया में टैरिफ, अर्थव्यवस्था, व्यापार, शांति, भू-राजनीति, सैन्य हस्तक्षेप और रणनीतिक दबाव से उथल-पुथल मचा रखी है। हाल का मामला इन सबसे अलग है। अब ट्रंप ने खेल के मैदान में भी एंट्री मारकर दुनियाभर के खेल संघों को चौंका दिया है। उन्होंने फीफा पर दबाव डालकर अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगा एक मैच का प्रतिबंध (निलंबन) रद्द करवा दिया। इसके लिए ट्रंप ने फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो से व्यक्तिगत रूप से बात की। हालांकि अमेरिकी टीम को बेल्जियम ने 3-1 से करारी मात दी और वह क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई तक नहीं कर पाई। देखा जाए तो यह प्रकरण अपने आप में एक अजूबा है। सामान्यतः किसी भी देश के खिलाड़ी के लिए मैच में रेफरी का फैसला आने के बाद उसे चुनौती दी जाती है और फिर फीफा का निर्णायक मंडल पूरे मामले की समीक्षा कर अपना निर्णय देता है। स्थापित प्रक्रिया का यही उद्देश्य होता है कि खेल के नियम सभी टीमों और खिलाड़ियों पर समान रूप से लागू हों तथा किसी भी तरह के राजनीतिक या बाहरी दबाव का प्रभाव निर्णयों पर न पड़े। यदि किसी शक्तिशाली देश का शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व सीधे हस्तक्षेप कर फैसले बदलवाने लगे तो खेलों की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। ऐसा पहली बार है जब किसी देश के राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से हस्तक्षेप कर अपने खिलाड़ी का निलंबन हटवाया है। फीफा ने भले ही इसे सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बताने का प्रयास किया हो, लेकिन दुनिया भर के खेल विशेषज्ञों और खेल संघों के बीच इस घटनाक्रम को लेकर असहजता दिखाई दी है। फीफा लंबे समय से यह दावा करता रहा है कि वह राजनीति से स्वतंत्र संस्था है। कई देशों के फुटबॉल महासंघों पर सरकारी हस्तक्षेप के आरोप में प्रतिबंध तक लगाए जा चुके हैं। ऐसे में यदि किसी महाशक्ति के राष्ट्रपति के हस्तक्षेप को अलग नजरिए से देखा जाता है तो दोहरे मानदंडों की बहस तेज होना स्वाभाविक है। मैदान पर खिलाड़ी की पहचान उसके प्रदर्शन से होती है, न कि उसके देश की राजनीतिक ताकत से। यदि किसी खिलाड़ी को यह संदेश मिले कि राजनीतिक प्रभाव से खेल संबंधी फैसले बदले जा सकते हैं, तो इससे खेल भावना को आघात पहुंचेगा। हालांकि घटनाक्रम का खेल परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा। अमेरिका बेल्जियम से हार गया और बालोगुन का मैदान पर उतरना भी टीम को आगे नहीं ले जा सका। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि किसी भी खेल में अंतिम फैसला खिलाड़ियों का प्रदर्शन ही करता है, न कि राजनीतिक दबाव। जीत और हार खेल का स्वाभाविक हिस्सा हैं और इन्हें स्वीकार करना ही खेल भावना की असली पहचान है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब आने वाले वर्षों में अमेरिका कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने जा रहा है। विशेष रूप से लॉस एंजिल्स ओलंपिक को लेकर दुनिया की निगाहें अमेरिका पर टिकी हैं। ऐसे में यदि राजनीतिक हस्तक्षेप की धारणा मजबूत होती है तो अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाओं की निष्पक्षता और मेजबान देश की भूमिका दोनों पर सवाल उठ सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि सरकारें खेलों के विकास, खिलाड़ियों की सुविधाओं और खेल ढांचे को मजबूत करने तक अपनी भूमिका सीमित रखें तथा मैदान के फैसले खेल संस्थाओं और नियमों पर ही छोड़ दें। खेल तभी खेल बने रहेंगे, जब उन पर राजनीति की छाया हावी न हो।

मुद्दा
ममता कुशवाहा

खेल महाकुंभ की पर्यावरणीय चुनौती

> हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस साल का फीफा विश्व कप अब तक का सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाला विश्व कप बन सकता है। यह चेतावनी केवल फुटबॉल तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक खेल आयोजनों और उनके पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है। कहीं भीषण गर्मी का प्रकोप है, कहीं बाढ़ और चक्रवात तबाही मचा रहे हैं, तो कहीं जंगलों में आग लाखों हेक्टेयर भूमि को निगल रही है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का भविष्य और अधिक संकटग्रस्त हो जाएगा।

फुटबॉल को दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल माना जाता है। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं, सपनों और उत्साह का प्रतीक है। विश्व कप जैसे आयोजनों के दौरान पूरा विश्व एक साझा उत्सव में डूब जाता है, लेकिन खेलों की चमक-दमक और उत्साह के पीछे एक ऐसा पक्ष भी छिपा है, जिस पर लंबे समय तक पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। यह पक्ष है पर्यावरण पर पड़ने वाला उसका प्रभाव। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस साल का फीफा विश्व कप अब तक का सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाला विश्व कप बन सकता है। यह चेतावनी केवल फुटबॉल तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक खेल आयोजनों और उनके पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है। कहीं भीषण गर्मी का प्रकोप है, कहीं बाढ़ और चक्रवात तबाही मचा रहे हैं, तो कहीं जंगलों में आग लाखों हेक्टेयर भूमि को निगल रही है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का भविष्य और अधिक संकटग्रस्त हो जाएगा।

ऐसे समय में जब प्रत्येक क्षेत्र से पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा की जा रही है, तब खेल जगत भी इससे अछूता नहीं रह सकता। खेलों के विशाल आयोजन, जिनमें लाखों दर्शक और हजारों खिलाड़ी शामिल होते हैं, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन करते हैं। वर्ष 2026 का फीफा विश्व कप अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में चल रहा है। यह पहली बार होगा जब विश्व कप में 48 टीमें भाग लेंगी। पहले की तुलना में अधिक टीमें, अधिक मैच और अधिक शहर इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। कुल 16 शहरों में 104 मैच खेले जाएंगे। स्वाभाविक रूप से इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों, अधिकारियों, पत्रकारों और दर्शकों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा करनी होगी। यही वह प्रमुख कारण है जिसके चलते कार्बन उत्सर्जन में भारी वृद्धि की आशंका व्यक्त की जा रही है। कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा स्रोत हवाई यात्रा होती है। विश्व कप जैसे आयोजनों में लाखों लोग विमानों के माध्यम से हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं। जब टीमें एक देश से दूसरे देश और एक शहर से दूसरे शहर जाती हैं, तब ईंधन की खपत और कार्बन उत्सर्जन तेजी से बढ़ता है। वर्ष 2026 के इस विश्व कप में तीन देशों के अनेक शहरों को मेजबानी दी गई है। इससे यात्राओं की दूरी और संख्या दोनों में वृद्धि होगी। यही कारण है कि शोधकर्ताओं का मानना है कि यह आयोजन पर्यावरणीय दृष्टि से अब तक का सबसे भारी विश्व कप साबित हो सकता है। दरअसल, खेल आयोजनों का पर्यावरणीय प्रभाव केवल यात्रा तक सीमित नहीं होता। स्टेडियमों के निर्माण और रखरखाव में भी बड़ी मात्रा में ऊर्जा और संसाधनों का उपयोग किया जाता है। विशाल स्टेडियमों को रोशन करने, वातानुकूलित रखने, सुरक्षा व्यवस्था संचालित करने और प्रसारण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भारी बिजली की आवश्यकता होती है। यदि यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों से प्राप्त हो रही है, तो उसका सीधा संबंध कार्बन उत्सर्जन से जुड़ जाता है। आज खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। यह एक

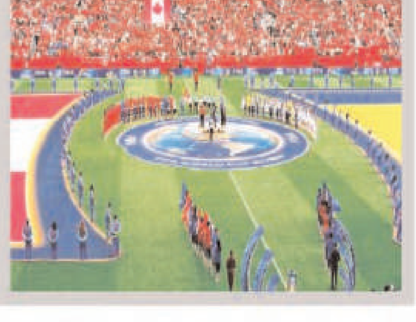

विशाल वैश्विक उद्योग बन चुका है। अरबों डॉलर के निवेश, प्रायोजन और व्यावसायिक हित इसके साथ जुड़े हुए हैं। फुटबॉल क्लब, प्रसारण कंपनियां और बहुराष्ट्रीय कंपनियां खेल आयोजनों को एक बड़े आर्थिक अवसर के रूप में देखती हैं। जब आर्थिक लाभ पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर हावी होने लगता है, तब समस्याएं जन्म लेने लगती हैं। यही चिंता शोधकर्ताओं ने भी व्यक्त की है कि फुटबॉल का बढ़ता व्यावसायीकरण और आयोजनों का निरंतर विस्तार पर्यावरण पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है। आज कल जलवायु परिवर्तन का प्रभाव खेलों पर भी पड़ रहा है। बढ़ता तापमान खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। कई देशों में अत्यधिक गर्मी के कारण मैचों का समय बदलना पड़ा है। कुछ स्थानों पर मौसम की अनिश्चितता के कारण प्रतियोगिताओं को स्थगित करना पड़ा। वर्षा, तूफान और गर्म हवाएं खेल आयोजनों के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं। अर्थात जिस जलवायु संकट को खेल उद्योग अनजाने में बढ़ा रहा है, वही संकट अब खेलों के अस्तित्व के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। वैज्ञानिक आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बना देते हैं।

वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्रांति से पहले यह स्तर लगभग 280 पीपीएम था, जबकि आज यह 430 पीपीएम से अधिक पहुंच चुका है। यह वृद्धि केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि पृथ्वी के बदलते पर्यावरण का संकेत है। बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड पृथ्वी के तापमान को बढ़ा रही है, जिससे ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता में वृद्धि हो रही है। ऐसे में प्रत्येक क्षेत्र को अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने की आवश्यकता है। फुटबॉल और अन्य खेल संगठनों ने हाल के वर्षों में पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं की घोषणाएं अवश्य की हैं। कई संगठनों ने कार्बन न्यूट्रल बनने, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने की योजनाएं प्रस्तुत की हैं। कुछ स्टेडियम सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं, जबकि कुछ स्थानों पर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। यदि आयोजन लगातार बड़े और अधिक विस्तृत होते जाएंगे, तो पर्यावरणीय लाभ सीमित रह जाएंगे। इस तरह भविष्य के खेल आयोजनों के लिए एक नई सोच की आवश्यकता है। आयोजकों को ऐसे मॉडल अपनाने होंगे जिनमें यात्रा की दूरी कम हो, स्थानीय संसाधनों का अधिक उपयोग हो और नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दी जाए। दर्शकों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। स्टेडियमों के निर्माण में पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का प्रयोग बढ़ाना होगा। साथ ही आयोजनों के आकार और विस्तार को लेकर भी संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि खेल जगत अपनी लोकप्रियता का उपयोग पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने के लिए करे। फुटबॉल खिलाड़ियों और खेल सितारों का प्रभाव करोड़ों लोगों पर पड़ता है। यदि वे जलवायु संरक्षण का संदेश देंगे, तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद मिल सकती है। खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का शक्तिशाली साधन भी बन सकता है। फीफा विश्व कप 2026 को लेकर उठी कार्बन उत्सर्जन की चिंता हमें एक व्यापक सच्चाई की ओर संकेत करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि खेलों की चमक के साथ पर्यावरणीय चेतना का प्रकाश भी उतना ही प्रखर हो, ताकि आने वाली पीढ़ियां एक स्वस्थ, संतुलित और सुरक्षित पृथ्वी पर अपने सपनों का खेल खेल सकें।

मंथन
सोनम लववंशी

मां की गोद से डे-केयर तक ... क्या सुरक्षित है बचपन

किसी भी समाज का भविष्य उसके संसद भवनों, शेयर बाजारों या कॉर्पोरेट टावरों में नहीं, उन नन्हें हाथों में पलता है जो अभी दुनिया पर भरोसा करना सीख रहे हैं। यही कारण है कि किसी राष्ट्र की सभ्यता का सबसे बड़ा पैमाना यह नहीं होता कि उसकी अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है, बल्कि यह होता है कि उसके सबसे मासूम नागरिक कितने सुरक्षित हैं। जब दो-तीन वर्ष का एक बच्चा, जो बोलकर अपना दर्द भी बता नहीं सकता, उसी स्थान पर प्रताड़ित होने लगे जहां उसे सुरक्षा और स्नेह मिलना चाहिए, तब ये सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं रहती, पूरे समाज के नैतिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न बन जाती है। बेंगलुरु के एक कॉर्पोरेट परिसर स्थित डे-केयर सेंटर से सामने आए कथित दुर्व्यवहार के वीडियो ने पूरे देश को झकझोर दिया है। वीडियो में छोटे बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार के आरोप सामने आने के बाद पुलिस ने कर्मचारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। बाल अधिकार संस्थाओं ने हस्तक्षेप किया और संबंधित डे-केयर केंद्र को बंद करना पड़ा। यह कार्रवाई आवश्यक थी, लेकिन उससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि यदि यह वीडियो सामने नहीं आता, तो क्या उन बच्चों की पीड़ा कभी व्यवस्था तक पहुंच पाती? क्या हमारे संस्थागत तंत्र की संवेदनशीलता अब केवल वायरल वीडियो पर निर्भर हो गई है? भारत तेजी से बदल रहा है। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, महानगर फैल रहे हैं और लाखों महिलाएं कार्यक्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। ऐसे में डे-केयर अब सुविधा नहीं, सामाजिक आवश्यकता बन चुका है। सरकार महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की बात करती है।

कॉर्पोरेट जगत 'समावेशी कार्यस्थल' और 'वर्क-लाइफ बैलेंस' के दावे करता है। इस पूरे विमर्श में सबसे अहम सवाल अक्सर छूट जाता है कि जब माता-पिता कार्यस्थल पर होंगे, तब उनके छोटे बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 के तहत 50 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में क्रेच सुविधा का प्रावधान किया गया। दूसरी ओर केंद्र सरकार पालना योजना के माध्यम से आंगनवाड़ी-सह-क्रेच व्यवस्था का विस्तार कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देशभर में 14,599 आंगनवाड़ी-सह-क्रेच स्वीकृत किए जा चुके हैं और 2,448 क्रेच संचालित हैं। उद्देश्य स्पष्ट है कामकाजी महिलाओं को सहयोग और छोटे बच्चों को सुरक्षित देखभाल उपलब्ध कराना। लेकिन यहीं सबसे बड़ा विरोधाभास दिखाई देता है। यदि योजनाएं है, कानून हैं और संस्थाएँ भी हैं, तो फिर अभिभावकों का भरोसा बार-बार क्यों टूट रहा है? इसका उत्तर केवल किसी एक कर्मचारी की क्रूरता में नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की कमजोरी में छिपा है जहां डे-केयर खोलना अपेक्षाकृत आसान है, पर उसकी गुणवत्ता, कर्मचारियों के प्रशिक्षण, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, पुलिस सत्यापन और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था अब भी बिखरी हुई है। बच्चों की सुरक्षा केवल भवन, खिलौनों और रंगीन दीवारों से सुनिश्चित नहीं होती; वह प्रशिक्षित और संवेदनशील मानव संसाधन से सुनिश्चित होती है। यूनिसेफ और प्रारंभिक बाल विकास से जुड़े वैश्विक अध्ययन बताते हैं कि जीवन के पहले पांच वर्ष बच्चे के मस्तिष्क और व्यक्तित्व के विकास के लिए सबसे निर्णायक होते हैं। इसी दौर में मिला प्रेम, सम्मान और सुरक्षा उसके पूरे जीवन की दिशा तय करते हैं।

इसके विपरीत भय, अपमान और हिंसा उसके भावनात्मक विकास पर गहरा प्रभाव छोड़ सकते हैं। इसलिए डे-केयर केवल बच्चों को कुछ घंटों तक रखने की जगह नहीं होता यह भविष्य गढ़ने का स्थान है। यदि वही स्थान भय का पर्याय बन जाए, तो उसका नुकसान केवल एक परिवार नहीं, पूरा समाज उठाता है। बेंगलुरु की घटना को किसी एक शहर या एक कंपनी की समस्या मानकर भुला देना आसान होगा। कठिन काम यह स्वीकार करना है कि यह घटना हमारी नीतियों, हमारी निगरानी व्यवस्था और हमारी सामाजिक प्राथमिकताओं की कमियों को उजागर करती है।

राम सब घट मेरा साइयां

संकलित
दर्शन

पूरे संसार में राम का निवास है, सबमें भगवान हैं और हम उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं। राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में है। कबीर ने कहा है-'राम सब घट मेरा साइयां'... राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में हैं। सदा सर्वदा सबके हृदय में रहेंगे, लेकिन हमारे स्वार्थ, हमारे हेतु, हमारी मानसिकताओं के कारण कभी-कभी हम राम को साधन बना बैठते हैं। इसलिए हम राम को सही रूप में नहीं समझ पाते। प्रत्येक व्यक्ति में यदि हमें सिया राम के दर्शन होने लगें तो तमाम भेदभाव समाप्त हो जाएंगे। जातीय आधार पर भेदभाव काफी हद तक कम हुआ है, लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। इसके लिए धर्माचार्यों को आगे आना होगा। धार्मिक क्षेत्र हो, राजनीतिक या फिर सामाजिक क्षेत्र, अंतिम व्यक्ति पूज्य होना चाहिए। अगर अंतिम व्यक्ति आप तक नहीं पहुंच पा रहा है तो यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप उस तक पहुंचें। भारतीय दर्शन में इहलोक और परलोक की बात आती है। इहलोक और परलोक का कल्याण करने की बात मेरी दृष्टि में इह यानी अपने संसार के साथ-साथ दूसरों का भी कल्याण हो, ऐसा प्रयास करना ही इहलोक और परलोक को सुधारना है। दूसरों के कल्याण की भावना का क्षेत्र बहुत व्यापक है। हम व्यापक व विराट की संतान हैं, इसलिए दूसरों के कल्याण का भारतीय सोच पूरे विश्व के कल्याण का सोच है। जब हम वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, तो दुनिया के सभी देशों के कल्याण की बात करते हैं।

मानवता संस्कारों से पनपती है

संकलित
प्रेरणा

टी.एन. शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे, तो परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के लिए मसूरी जा रहे थे। परिवार के साथ उत्तर प्रदेश से निकलते हुए रास्ते में उन्होंने देखा कि पेड़ों पर गौरैया के कई सुन्दर घोंसले बने हुए हैं। यह देखते ही उनकी पत्नी ने अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए गौरैया के दो घोंसले लेने की इच्छा व्यक्त की तो उनके साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने तुरंत एक छोटे से लड़के को बुलाया, जो वहां मवेशियों को चरा रहा था। उसे पेड़ों से तोड़ कर दो गौरैया के घोंसले लाने के लिए कहा। लड़के ने इनकार में सर हिला दिया। शेषन ने इसके लिए लड़के को 10 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के के इनकार करने पर शेषन ने बढ़ा कर 50 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के ने हामी नहीं भरी। पुलिस ने तब लड़के को धमकी दी और उसे बताया कि साहब जज हैं और तुझे जेल में भी डलवा सकते हैं। गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। लड़का तब श्रीमती और शेषन के पास गया और कहा- साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन घोंसलों में गौरैया के छोटे बच्चे हैं अगर मैं आपको दो घोंसले दूं, तो जो गौरैया अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में बाहर गई हुई है, जब वह वापस आएगी और बच्चों को नहीं देखेगी तो बहुत दुःखी होगी जिसका पाप मैं नहीं ले सकता। यह सुनकर टी.एन. शेषन दंग रह गए। शेषन ने अपनी आत्मकथा में लिखा है- मेरी स्थिति, शक्ति और आईएएस की डिग्री सिर्फ उस छोटे, अनपढ़, मवेशी चराने वाले लड़के द्वारा बोले गए शब्दों के सामने पिघल गई।

विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) पर विशेष

परिवार नियोजन व प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में जागरूक बनें युवा

'युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करना-आज और भविष्य के लिए' थीम पर मनेगा दिवस

लेखक ---- मुकेश शर्मा

हिन्दी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

समाज की प्रथम इकाई परिवार यदि स्वस्थ और खुशहाल बनेगा तभी सशक्त समाज के सपने को साकार किया जा सकता है। परिवार तभी स्वस्थ बनेगा जब घर के बड़े-बुजुर्ग, बच्चे, किशोर-किशोरियां, महिलाएं और युवक अपने को स्वस्थ रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाएं। उसी का एक बड़ा पहलू है कि परिवार में नए मेहमान यानि बहू या नन्हें-मुन्ने के आगमन के सही समय का अवश्य ख्याल रखा जाए। इसके लिए जरूरी है कि सबसे पहले तो शादी की सही उम्र 21 साल के बाद ही बेटी को विवाह के बंधन में बाँधने की योजना बनाएं। शादी के दो से तीन साल के बाद ही परिवार बढ़ाने या संतानोत्पति के बारे में विचार करें। शादी के दो-तीन साल तक पति-पत्नी एक-दूसरे को भलीभांति समझें और परिवार को बढ़ाने के लिए कुछ जरूरी पूँजी भी जुटा लें।

युवाओं की जरूरतों का ध्यान रखते हुए ही शादी के बाद शगुन किट के माध्यम से परिवार नियोजन साधनों की जानकारी के साथ ही जरूरी परामर्श भी प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही सरकार और स्वास्थ्य विभाग के द्वारा घर बैठे परिवार नियोजन साधनों की पहुँच आसान बनाने की कोशिश रहती है। ऐसे में स्पष्ट है कि परिवार नियोजन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं पर ही है। युवाओं में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता की अलख जगाने की सबसे अधिक जरूरत महसूस करते हुए, इस साल विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) की थीम 'युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करना -आज और भविष्य के लिए' तय की गयी है।

आज विश्व में करीब 147 करोड़ की आबादी के साथ भारत जनसंख्या के मामले में अग्रिम पायदान पर खड़ा है, जबकि प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं। सीमित संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए जरूरी है कि हम परिवार के आकार को नियोजित रखने की हरसम्भव कोशिश करें। ऐसे में विश्व जनसंख्या दिवस पर युवाओं को स्वस्थ और खुशहाल परिवार के प्रभावी उपायों के बारे में जानना जरूरी है। इसके लिए सबसे पहला जरूरी उपाय यही है कि शादी के पश्चात गर्भधारण की योजना 21 साल की उम्र के बाद ही बनाएं। दो बच्चों के जन्म के बीच कम से कम तीन साल का अंतर जरूर रखें ताकि महिला का शरीर पुनः गर्भधारण के योग्य बन पाए। इसके अलावा इस दौरान बच्चे का लालन-पालन भी बेहतर ढंग से किया जा सकता है। परिवार का आकार नियोजित रखने के लिए ही ह्वबास्केट ऑफ च्वाइसह्व का सुरक्षित और प्रभावी विकल्प युवाओं के पास मौजूद है। इसलिए अपने मनमुताबिक परिवार नियोजन के साधन का चयन कर सही समय पर ही संतान की योजना आसानी से बनायी जा सकती है।

परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता के लिए ही स्वास्थ्य इकाइयों पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस का आयोजन किया जाता है। समय-समय पर सास-बेटा-बहू सम्मेलन के साथ ही अन्य जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। इन आयोजनों के माध्यम से परिवार नियोजन के बारे में परामर्श के साथ ही परिवार नियोजन के साधनों के फायदे और उनकी उपलब्धता के बारे में भी बताया जाता है। परिवार नियोजन के मौजूदा विकल्पों में त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा को अपनाकर न केवल मां और शिशु के स्वास्थ्य की सुरक्षा की जा सकती है, बल्कि एक संतुलित और खुशहाल परिवार की नींव भी रखी जा सकती है। इसका एक इंजेक्शन तीन माह तक अनचाहे गर्भधारण से छुटकारा दिलाता है। यह इंजेक्शन बहुत ही आसान और सुविधाजनक भी है। यह समस्त राजकीय चिकित्सा इकाइयों पर निःशुल्क उपलब्ध भी है। इसके साथ ही सरकारी स्वास्थ्य इकाइयों पर बच्चों के जन्म में पर्याप्त अंतर रखने के लिए अस्थायी साधन के तहत ओरल पिल्स, पुरुष कंडोम, आईयूसीडी प्रसव पश्चात/ गर्भ समापन पश्चात आईयूसीडी व हार्मोनल गोली छाया (सैंटोक्रोमान) उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन किट (कंडोम बॉक्स) की भी व्यवस्था की गयी है ताकि पुरुषों को बिना झिझक वहां से कंडोम या महिलाओं को अन्य परिवार नियोजन के साधन प्राप्त करने में आसानी हो। इसके अलावा सरकारी स्वास्थ्य इकाइयों पर परिवार नियोजन के स्थायी साधन के तहत महिला व पुरुष नसबंदी की सेवा उपलब्ध है, जो कि परिवार पूरा होने पर अपनाई जाने वाली सबसे सुरक्षित और कारगर सेवा है। शारीरिक बनावट के मुताबिक महिला नसबंदी की अपेक्षा पुरुष नसबंदी बेहद सरल और सुरक्षित है। इसमें महज कुछ मिनट लगते हैं। नसबंदी के दो-तीन दिन बाद पुरुष अपने काम पर भी आराम से जा सकते हैं जबकि महिलाओं को कम से कम एक हफ्ते तक पूरी तरह से आराम की जरूरत होती है।

परिवार नियोजन के जब इतने सारे साधन मौजूद हैं तो लोगों की भी जिम्मेदारी बनती है कि खूब सोच-समझकर और आपस में बात करके ही बच्चे की योजना बनायें। खासकर युवाओं को यह जानना जरूरी है कि जीवन में कुछ बड़ा करने के लिए जिस तरह आपस में बात करना जरूरी होता है, उसी तरह से स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर हरहाल में बात करें। पति-पत्नी आपस में बात करें कि उन्हें कब और कितने बच्चे चाहिए और बच्चों के जन्म में अंतर रखने के लिए किस साधन को अपनाना बेहतर होगा। परिवार पूरा होने पर कौन सा साधन अपनाना है और यह सुविधाएँ किस तरह के स्वास्थ्य केंद्र से प्राप्त की जा सकती हैं। परिवार नियोजन के इतने सारे साधनों की मौजूदगी के बाद भी अनचाहे गर्भधारण और गर्भपात जैसे जोखिम भरा कदम उठाने में किसी की भलाई नहीं है। आज विश्व जनसंख्या दिवस पर युवाओं को इस बारे में भी जागरूक करना जरूरी है कि युवा वर्ग के सशक्तिकरण के लिए वह इस तरह के जोखिम से दूर ही रहें और परिवार नियोजन के सुरक्षित तरीकों को प्राथमिकता दें। आर्थिक अनिश्चितता, लैंगिक असमानता, जलवायु परिवर्तन के दबावों आदि से घिरे युवाओं को अपने आज ही नहीं बल्कि आने वाले कल के बारे में भी विचार करना जरूरी है, इसमें परिवार नियोजन हरहाल में उनको मजबूती प्रदान कर सकता है।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

संक्षेप

मंत्री मनोज पांडे ने पूर्व विधायक को दी श्रद्धांजलि

अमेठी में परिवार से मिले, विकास कार्य याद किए

अमेठी , उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज पांडे और विधान परिषद सदस्य महेंद्र प्रताप सिंह ने मंगलवार को जामों विकास खंड के अचलपुर गांव का दौरा किया। उन्होंने यहां पूर्व विधायक स्वर्गीय दादा तेजभान सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। दोनों वरिष्ठ नेताओं ने स्व. तेजभान सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने जनसेवा, सामाजिक सरोकारों और क्षेत्र के विकास के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया।श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मंत्री मनोज पांडे और एमएलसी महेंद्र प्रताप सिंह ने दिवंगत नेता के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में धैर्य और साहस बनाए रखने की बात कही। नेताओं ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह असहनीय दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर मंत्री मनोज पांडे ने कहा कि स्वर्गीय दादा तेजभान सिंह का पूरा जीवन जनसेवा, सामाजिक समर्पण और क्षेत्र के विकास को समर्पित रहा। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में जनता के विश्वास पर हमेशा खरा उतरने का प्रयास किया और आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य किया। मंत्री ने कहा कि उनके विकास कार्य और समाज के प्रति प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। एमएलसी महेंद्र प्रताप सिंह ने भी स्व. तेजभान सिंह को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके निधन से क्षेत्र ने एक अनुभवी जनप्रतिनिधि और समाज ने एक कर्मठ व्यक्तित्व को खो दिया है। उन्होंने कहा कि इस क्षति की भरपाई आसान नहीं होगी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, पूर्व जिलाध्यक्ष रामप्रसाद मिश्र, भवानी दत्त दीक्षित, गोविंद सिंह चौहान सहित अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत नेता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सार्वजनिक रास्ता खोदा गया

जेसीबी से सड़क अवरुद्ध करने का आरोप, एसडीएम से शिकायत

अमेठी , कोतवाली क्षेत्र स्थित पूरे गोसाईं मजरे जंगलरामनगर में एक सार्वजनिक रास्ते को लेकर विवाद सामने आया है। गांव निवासी रोहित गिरि ने उपजिलाधिकारी अमेठी को शिकायत दी है कि उनके घर तक जाने वाले इंटरलॉकिंग मार्ग को जेसीबी मशीन से खोदकर अवरुद्ध कर दिया गया है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हुआ है। शिकायतकर्ता के अनुसार, यह मार्ग लगभग 25 वर्ष पुराना है।

वर्ष 2012-13 में ग्राम पंचायत द्वारा कार्ययोजना के तहत इस पर इंटरलॉकिंग कराई गई थी।

नेपाल सरकार द्वारा भारत से 500 तक घरेलू सामान ले जाने की छूट के बावजूद सीमा पर सख्ती

नेपाली नागरिकों में नाराजगी

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल के जमुनहा सीमा पर नेपाल सरकार के आदेश के बावजूद आम नेपाली नागरिकों को भारत से घरेलू उपयोग का सामान नेपाल ले जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सीमा क्षेत्र के कई नेपाली नागरिकों ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि नेपाल सरकार द्वारा ?500 तक के घरेलू उपयोग के सामान को बिना रोक-टोक ले जाने की अनुमति दिए जाने के बावजूद सीमा पर तैनात नेपाली सुरक्षा कर्मी पांच किलो आलू, सब्जी तथा अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी जब्त कर रहे हैं और लोगों को डांटकर वापस भेज दिया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नेपाल सरकार ने यह व्यवस्था सीमा पर तस्करी रोकने और आम नागरिकों को राहत देने के उद्देश्य से लागू की थी, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका पालन होता दिखाई नहीं दे रहा है। उनका आरोप है कि आम नागरिकों के साथ सख्ती की जा रही है, जबकि दूसरी ओर नेपाल के विभिन्न समाचार पत्रों और टीवी चैनलों में सीमा से तस्करी के वीडियो और तस्वीरें लगातार सामने आ रही हैं। नेपाली नागरिकों का कहना है कि मुख्य सीमा मार्ग से घरेलू उपयोग का सामान भी नहीं ले जाने दिया जाता, जबकि अन्य रास्तों से भारतीय सामान नेपाल पहुंच रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आम नागरिक भारतीय आम तक नहीं ले जा पा रहे हैं, लेकिन नेपाल के बाजारों में भारतीय आम खुलेआम बिक रहा है और सीमावर्ती बाजारों की तुलना में कई गुना अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। नेपालगंज के कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया कि सीमा पर की जा रही सख्ती के पीछे नेपाल के व्यापारिक संगठनों का दबाव भी एक कारण हो सकता है। उनका कहना है कि जब नेपाल सरकार स्वयं ?500 तक का सामान ले जाने की अनुमति दे चुकी है, तो सीमा पर सुरक्षा कर्मियों द्वारा सामान जब्त करना समझ से परे है। स्थानीय नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि भारत-नेपाल मुख्य सीमा मार्ग पर स्थित नेपाल के कस्टम कार्यालय में ?500 से अधिक मूल्य का सामान लेकर आने वाले लोगों का भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कस्टम नहीं किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि कस्टम कार्यालय का उद्देश्य निर्धारित शुल्क लेकर सामान को वैध रूप से नेपाल में प्रवेश की अनुमति देना है, लेकिन कई मामलों में सामान का कस्टम करने के बजाय लोगों का सामान या तो जब्त कर लिया जाता है या तो वापस लौटा दिया जाता है। सीमावर्ती क्षेत्र के नागरिकों ने नेपाल सरकार से मांग की है कि सरकार के आदेशों का सीमा पर प्रभावी ढंग से पालन कराया जाए, ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े और तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

भाकयू (टिकैत) संघ ने चीनी मिल प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

समय पर मांगों को नहीं किया गया पूर्ण तो विशाल धरने की दी चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) बहराइच ने प्रधान प्रबंधक/सचिव श्रावस्ती सहकारी किसान चीनी मिल लिमिटेड नानपारा जनपद बहराइच को गन्ना क्रय केंद्रों पर गन्ना उतराई के नाम पर की जाने वाली अवैध वसूली एवं किसानों को मिल की खाद उपलब्ध तथा व वितरण व्यवस्था के संबंध में शुक्रवार को ज्ञापन सौंपा है। खबर है कि शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के सदस्यों ने दिनांक 10 जुलाई 2026 में अपने पत्रांक बीकेसी/2026 में प्रधान प्रबंधक अथवा सचिव, श्रावस्ती सहकारी किसान चीनी मिल लिमिटेड नानपारा बहराइच को अपनी मांगों के सम्बन्ध में ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में लिखा कि गया कि गन्ना क्रय केंद्रों के संचालन से पूर्व ही समस्त संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों एवं केंद्र प्रभारियों को स्पष्ट निर्देशित किया जाए कि गन्ना उतराई अथवा किसी अन्य मद के नाम पर किसानों से किसी भी प्रकार की अवैध वसूली कदापि न की जाए, आपके कार्यक्षेत्र के समस्त गन्ना किसानो को चीनी मिल द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली खाद एवं अन्य कृषि सामग्री की उपलब्धता वितरण प्रक्रिया पात्रता तथा वितरण की समय सारणी के संबंध में पूर्व से ही स्पष्ट एवं व्यापक जानकारी किसानों के लिए उपलब्ध कराई जाए।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) संघ ने यह भी लिखा कि यदि उपयुक्त मांगों पर समय रहते आवश्यक कार्यवाही नहीं की गई तो भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) गन्ना किसानों के हितों की रक्षा हेतु श्रावस्ती सहकारी किसान चीनी मिल लिमिटेड नानपारा परिसर में विशाल धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी मिल प्रशासन की होगी। यह ज्ञापन भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला उपाध्यक्ष सरदार जितेंद्र सिंह विक्र, सहित अन्य सदस्यों के साथ सौंपा गया।

शिक्षकों ने बीईओ नवाबगंज का मनाया जन्मदिन

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच।शिक्षा क्षेत्र नवाबगंज के बीईओ राधेश्याम वर्मा का जन्मदिन शुक्रवार को ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द वर्मा राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ नवाबगंज के कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया। जन्मदिन कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों नें केक काटकर बुके, स्मृतिचिन्ह, अंगवस्त्र, पेन-डायरी भेंटकर खुशियाँ साझा की तथा खंड शिक्षा अधिकारी श्रीवर्मा के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और शिक्षा के क्षेत्र नें नवाबगंज निरंतर प्रगति की मंगलकामनाएं की।पूरे कार्यक्रम में उत्साह और आनंद का माहौल देखने कों मिला। श्री वर्मा ने इस भव्य आयोजन के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ इकाई नवाबगंज व उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके जन्मदिन पर इतना सुंदर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए वह सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान प्रदीप त्रिपाठी, संकुल अरविन्द वर्मा, एआरपी शैलेन्द्र कुमार, सजल मिश्रा, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, जीतेन्द्र शर्मा, विनोद गिरि, वैभव सिंह, विपुल सिंह, आलोक वर्मा,

सरवन वर्मा, दिनेश गुप्ता, उमेश वर्मा, कमलेश आर्य, रमेश सोनकर, सर्वेश पाठक, शैलेन्द्र यादव, सुमित शुक्ला, दिनेश पटेल, जीतेन्द्र वर्मा, ज्ञानप्रकाश, धर्मेंद्र ओझा, पवन कुमार, प्रदीप सिंह, विजय श्रीवास्तव, नवनीत प्रेमी, महेश वर्मा, संतोष सिंह, विजय वर्मा आदि उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 78 वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र आदर्श नगर पंचायत रुपईडीहा सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल प्रांगण में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 78 स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया आपको बताते चलें कि आदर्श नगर पंचायत कस्बा रूपईडीहा में नगर एवं क्षेत्र के कार्यकताओं द्वारा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल प्रांगण में आयोजित संगोष्ठी का कार्यक्रम किया गया जिसमें स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प चढ़ाया गया ज्ञातव्य हो कि विशेष रूप से विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य अनुज कुमार सिंह द्वारा कार्यकताओं व विद्यालय के बच्चों को संबोधित करते हुए अपने संबोधन में बताया कि स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित्र के बारे में प्रकाश डालते हुए एबीवीपी के बारे में विस्तृत जानकारी साझा किया और विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं को आदर्शों पर भी बताया इसी क्रम में नगर अध्यक्ष अंकुर मिश्रा ने सभी का हृदय से आभार प्रकट करते हुए एबीवीपी के बारे में बताते हुए सभी छात्रों को अपना परिवार बताया और स्वामी विवेकानंद के बारे में अपना विचार रखे एवं कार्यकताओं को चल रहे कुछ निजी विद्यालय में आक्रांताओं का महिमा मंडन पर क्रोध प्रकट किया कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य अनिल शर्मा, नगर मंत्री अमित कुमार, अंजली वर्मा, साधना, नेहा कौर, दिव्या, अंशिका, शुभी, सुखविंदर कौर, कन्हैया, शिवाश, राजन, सत्यम, जैकी, सुशांत आदि सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जमीन बिक्री के पैसों के विवाद में शांति भंग करने के आरोप में 8 गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। थाना रूपईडीहा पुलिस ने जमीन बिक्री के पैसों के लेन-देन को लेकर ससुर और दामाद पक्ष के बीच हुए विवाद में शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार कस्बा रूपईडीहा के बरथनवा मोहल्ले में जमीन बेचने के पैसों के विवाद के चलते दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। मामले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 170 के तहत कार्रवाई करते हुए 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मुसीब, सोनू उर्फ मोहम्मद शाहिद, सोनू, रहीस, शरीफ, आरिफ, राजू और शफीक शामिल हैं। सभी

आरोपी बरथनवा कस्बा, थाना रूपईडीहा, जनपद बहराइच के निवासी हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी नानपारा तथा प्रभारी निरीक्षक रूपईडीहा के नेतृत्व में की गई।

बहराइच दौरे पर पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, बेदौरा में कार्यकताओं संग की बैठक

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने शुक्रवार को जनपद बहराइच के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संगठन की मजबूती, जनसंपर्क अभियान और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर लोगों से संवाद किया। कई स्थानों पर उनका स्वागत किया गया और बड़ी संख्या में समर्थक उनसे मिलने पहुंचे।इसी क्रम में बेदौरा गांव में मास्टर मेराज अहमद के निज आवास पर एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता, समर्थक एवं स्थानीय लोग शामिल हुए। बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने केंद्र एवं प्रदेश की वर्तमान सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के मूल मुद्दों से ध्यान हटाकर हिंदू-मुस्लिम और मंदिर-मस्जिद की राजनीति कर रही है, जबकि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल, बिजली तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से आम जनता परेशान है और युवाओं को रोजगार तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।उन्होंने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन राम मंदिर जैसे महत्वपूर्ण स्थल पर चोरी की घटनाओं को भी नहीं रोक सकी। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और किसानों के हितों पर गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे समाजवादी पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को गांव-गांव तक पहुंचाएं तथा आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करते रहें। साथ ही सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सिराज अहमद, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी हाजी महफूज, सईद सिद्दीकी, नदीम भाई, अमर नाथ शुक्ला, मास्टर मेराज अहमद जिला पंचायत प्रत्याशी, सुरेंद्र कुमार यादव, विवेक कुमार, भगत राम यादव प्रधान, सूफियान अहमद, कलीम अहमद, रज्जू, नियाज अली सहित समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय लोगों ने पूर्व मंत्री का स्वागत किया और संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

एडीजी एसएसबी रेखा लोहानी ने भारत नेपाल सीमा का किया दौरा

सीमा पर तैनात दोनों बटालियनों के अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की अपर महानिदेशक रेखा लोहानी (आईपीएस) का 42वीं एवं 59वीं वाहिनी, नानपारा (बहराइच) का दो दिवसीय निरीक्षण एवं भ्रमण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। 42वीं वाहिनी मुख्यालय पहुंचने पर उनका स्वागत 42वीं वाहिनी के कमांडेंट गिरीश चन्द्र पाण्डेय तथा 59वीं वाहिनी के कमांडेंट कैलाश चन्द्र रमोला ने किया। अपने दौरे के दौरान अपर महानिदेशक ने 42वीं एवं 59वीं वाहिनी का संयुक्त निरीक्षण किया तथा अधिकारियों और जवानों के साथ आयोजित विशेष सैनिक सम्मेलन में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने जवानों की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों, उपलब्ध सुविधाओं एवं सेवा संबंधी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सीमा सुरक्षा को और अधिक प्रभावी, सुदृढ़ एवं समन्वित बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी कार्मिकों को पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के क्रम में लोहानी ने एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) रुपईडीहा तथा सीमा चौकी (बीओपी) रुपईडीहा का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय एजेंसियों–लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एलपीएआई), सीमा शुल्क विभाग तथा उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक की। साथ ही नेपाल की आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) एवं नेपाल पुलिस के अधिकारियों से भी मुलाकात कर भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा व्यवस्था, सीमा प्रबंधन, आपसी समन्वय और सूचना आदान-प्रदान को लेकर विस्तृत चर्चा की। दो दिवसीय निरीक्षण के दौरान क्षेत्रक मुख्यालय, लखीमपुर खीरी के उप महानिरीक्षक वी. विक्रमण तथा सीमांत मुख्यालय, लखनऊ के उप महानिरीक्षक राजेश ठाकुर भी उनके साथ मौजूद रहे।दो दिवसीय निरीक्षण एवं समीक्षा कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद अपर महानिदेशक रेखा लोहानी नई दिल्ली के लिए प्रस्थान कर गईं।

मां-बेटे की सड़क हादसे में मौत

लखनऊ-बलिया हाइवे पर पिकअप ने बाइक को टक्कर मारी, दवा लेने जा रहे थे

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर, दोपहर लखनऊ-बलिया हाईवे पर हुए एक सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई।एक तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। यह घटना मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर लपटा गांव के पास हुई, जब वे दवा लेने जा रहे थे।जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के करौंदी निवासी अमर बहादुर (30) अपनी मां ममता देवी (55) के साथ मोटरसाइकिल पर मोतिगरपुर दवा दिलाने जा रहे थे। दोपहर लगभग 12:30 बजे मोतिगरपुर के शाहपुर लपटा के पास जौनपुर से सब्जी पहुंचाकर लौट रही एक पिकअप ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल लगभग 5 फीट ऊपर उछलकर एक पेड़ से टकराई और फिर 30 मीटर दूर एक दीवार से जा लगी। तेज आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। अमर बहादुर की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल ममता देवी को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतिगरपुर ले जाया गया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ममता देवी की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हालांकि, अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। अमर बहादुर चंडीगढ़ में फर्नीचर का काम करते थे और तीन दिन पहले ही अपने घर आए थे। वह अपने दो भाइयों विजय और अजय में सबसे बड़े थे। उनके माता-पिता गांव में रहते हैं। अमर बहादुर की पत्नी का नाम अर्चना है और उनका डेढ़ साल का एक बेटा अयांश है। मोतिगरपुर एसओ अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 1143 वाहनों का हुआ चालान, दो सीज

12 लाख रुपए से अधिक का किया गया ऑनलाइन चालान

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जिले में यातायात नियमों का पालन करने के लिए पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात राज सिंह के नेतृत्व में यातायात प्रभारी राम प्रकाश तथा बहराइच पुलिस व यातायात पुलिस के द्वारा जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 1143 वाहनों का चालान किया गया तथा दो वाहनों को सीज किया गया साथ ही 12 लाख रुपए से अधिक धनराशि का चालान किया गया। यातायात प्रभारी राम प्रकाश ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने, गलत नंबर प्लेट, ट्रिपल सवारी सहित अन्य उल्लंघन पर लगातार कार्यवाही की जा रही है साथ ही लोगों से नियमों का पालन करने के लिए उन्हें जागरूक किया जा रहा है।

कांग्रेस ने निकाली सद्बुद्धि पदयात्रा

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के विरोध में हनुमान मंदिर पर सुंदरकांड पाठ

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़,जिला कांग्रेस कमेटी ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी की घटनाओं के विरोध में 'सद्बुद्धि पदयात्रा' का आयोजन किया। इस दौरान हनुमान मंदिर पर सुंदरकांड का पाठ कर दोषियों के लिए सद्बुद्धि की प्रार्थना की गई। यह पदयात्रा शाम करीब 6 बजे जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में निकाली गई। अंबेडकर चौराहे, पुलिस लाइन, राजपाल टंकी चौराहे से होते हुए यह ट्रेजरी चौराहा स्थित हनुमान मंदिर पहुंची, जहां सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर बजरंगबली और प्रभु श्री राम से राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड के दोषियों और सत्ता में बैठे लोगों को सद्बुद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की गई। कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि भगवान श्री राम पूरे देश की आस्था के केंद्र हैं और मंदिरों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से श्री राम मंदिर श्राइन बोर्ड का गठन न करने पर सवाल उठाया। डॉ. त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि श्री राम मंदिर ट्रस्ट के लोगों द्वारा 70 से अधिक बार चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। जिला उपाध्यक्ष राम लवट यादव ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में निष्पक्ष, पारदर्शी और उच्च स्तरीय जांच तथा दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। एक अन्य जिला उपाध्यक्ष इंद्रानंद तिवारी ने आरोप लगाया कि संघ और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद प्राप्त कर चंपत राय की 'चांडाल चौकड़ी' ने गरीब जनता द्वारा चढ़ाए गए प्रभु श्री राम के चढ़ावे, आभूषण, दान और शिलाओं को लूट लिया है।

संक्षेप

देवस्थान भूमि पर कब्जे का प्रयास

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से कार्रवाई की मांग की

बागपत ,सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के अमीनगर सराय गांव में पुश्तैनी देवस्थान और मेला स्थल की भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने इस संबंध में जिलाधिकारी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, मौजा चक्रसेनपुर खुर्द स्थित खसरा संख्या 101क में उनके पूर्वजों ने लगभग 120 वर्ष पहले कुल देवता की स्थापना की थी। तब से गांव के करीब 25 परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस स्थल पर पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं। शिकायत पत्र में यह भी बताया गया है कि पुराने देवस्थल के ऊपर लगभग 25 वर्ष पूर्व एक नया देवस्थान बनाया गया था और उसके आसपास की भूमि को मेला स्थल के रूप में संरक्षित किया गया था ।ग्रामीणों का आरोप है कि 120 वर्षों से इस भूमि पर कोई विवाद नहीं था, लेकिन अब कुछ लोग देवस्थान और मेला स्थल पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो संबंधित व्यक्तियों ने 10 से 15 अज्ञात लोगों के साथ आकर उन्हें धमकाया, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया कि कब्जे के उद्देश्य से एक फर्जी समिति बनाकर देवस्थान की भूमि पर अधिकार जताने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित भूमि के अभिलेख और खतौनी भी दिखाए, लेकिन कथित आरोपितों ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि देवस्थान और मेला स्थल पर हो रहे कथित अवैध अतिक्रमण को तत्काल रोका जाए। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की अपील की है, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे और धार्मिक स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

एसपी ने 11 इंस्पेक्टर , 2 दरोगा का किया ट्रांसफर

सुरक्षा व्यवस्था में फेरबदल, मनोज चहल बने बागपत कोतवाली प्रभारी

बागपत ,एसपी सूरज राय ने मंगलवार शाम को सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया है ।इस दौरान 11 इंस्पेक्टरों और 2 दरोगाओं का तबादला किया गया है। सभी अधिकारियों को तत्काल अपनी नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। तबादलों की सूची के अनुसार, सिंघावली अहीर थाना प्रभारी मनोज चहल को बागपत कोतवाली का नया प्रभारी बनाया गया है। खेकड़ा कोतवाली के प्रभारी प्रभाकर केन्तुरा को छपरौली थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि छपरौली थाना प्रभारी आशीष कुमार को खेकड़ा कोतवाली का प्रभारी नियुक्त किया गया है। रमाला थाने पर तैनात सूर्यदीप को सिंघावली अहीर थाना प्रभारी बनाया गया है। एएचटी प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार को रमाला थाने की जिम्मेदारी दी गई है। मॉनिटरिंग सेल प्रभारी राकेश कुमार को थाना चांदीनगर का प्रभार सौंपा गया है। प्रभारी सर्विलांस सेल पर तैनात दरोगा संजय कुमार को बालेनी थाने का प्रभारी बनाया गया है। बालेनी थाने में तैनात इंस्पेक्टर शिवदत्त को प्रभारी रीट सेल/आरटीआई प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना कुलदीप कुमार को प्रभारी सर्विलांस सेल नियुक्त किया गया है।

फोन पर बातें करते हुए यमुना में कूदा युवक

प्रयागराज में डेढ़ घंटे बाद मिला शव, मां बिलखते हुए बोली-फोन पर कुछ नहीं बताया

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , नए यमुना पुल से शाम एक 23 वर्षीय युवक ने मां से फोन पर बात करने के दौरान यमुना में छलांग लगाकर जान दे दी। घटना से पुल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और गोताखोरों ने करीब डेढ़ घंटे तक तलाश अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद युवक को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

शाम 4:30 बजे की घटना

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम करीब 4:30 बजे एक युवक नए यमुना पुल पर पहुंचा। वह पुल के बीच हिस्से में कुछ देर तक टहलता रहा। इसी दौरान उसने जेब से मोबाइल फोन निकालकर किसी से बातचीत शुरू की। कुछ ही देर बाद वह अचानक पुल की रेलिंग पर चढ़ा और देखते ही देखते यमुना में छलांग लगा दी। घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं सके।

लोगों ने पुलिस को दी सूचना

युवक के नदी में कूदते ही वहां मौजूद लोगों ने शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू की गई। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद उसे नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।

मोबाइल से हुई युवक की पहचान

पुलिस को युवक के पास मिले मोबाइल फोन और अन्य सामान के आधार पर उसकी पहचान सरायनायत निवासी 23 वर्षीय शानू नगर के रूप में हुई। पहचान होने के बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। खबर मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए।

मां से आखिरी बार हुई थी बात

मृतक की मां ने पुलिस को बताया कि घटना से कुछ देर पहले शानू ने उन्हें फोन किया था। बातचीत के दौरान उसने किसी तरह की परेशानी या आत्मघाती कदम उठाने की कोई बात नहीं कही थी।

58 बीघा अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

कटहुला गौसपुर की 'शिखर ग्रीन' कॉलोनी ध्वस्त, पीडीए की कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने अवैध प्लाटिंग और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुए गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। पीडीए की टीम ने जोन-02 के उपजोन-2ए क्षेत्र में लगभग 58 बीघे में विकसित की गई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। यह कार्रवाई जोनल अधिकारी सूरज कुमार पटेल के नेतृत्व में की गई। कटहुला गौसपुर, थाना एयरपोर्ट क्षेत्र स्थित 'शिखर ग्रीन' नामक अवैध कॉलोनी में यह ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। मधुकर मिश्रा, वदूद अहमद, अतुल, मकबूल तथा अन्य लोगों द्वारा बिना प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराए लगभग 58 बीघे क्षेत्रफल में यह अवैध प्लाटिंग विकसित की जा रही थी। पीडीए की प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़कों, प्लॉटों की बाउंड्री और अन्य अवैध निमार्णों को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण ने बताया कि शहर में अवैध कॉलोनियों के विकास पर पूरी तरह रोक लगाने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा। पीडीए ने स्पष्ट किया है कि बिना स्वीकृत लेआउट और मानचित्र के किसी भी प्रकार का विकास कार्य नियमों के विरुद्ध है और ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई की जाएगी। पीडीए ने कॉलोनी विकसित करने वाले बिल्डरों और विकासकताओं को निर्देश दिए हैं कि प्रयागराज विकास प्राधिकरण क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विकास कार्य शुरू करने से पहले आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करें। साथ ही, आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे किसी भी अवैध कॉलोनी या बिना स्वीकृत प्लॉट का क्रय-विक्रय करने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति की जांच अवश्य कर लें, ताकि भविष्य में कानूनी या आर्थिक परेशानी से बचा जा सके।

लूट को 'चोरी' में बदलने का खेल पड़ा भारी!

बिंदकी इंस्पेक्टर और खजुहा चौकी प्रभारी निलंबित

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी थाना क्षेत्र में लूट की गंभीर वारदात को कथित रूप से हल्की धाराओं में दर्ज करने के मामले में पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के बाद मामले की जांच कराई गई, जिसमें प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर प्रयागराज परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक ने बिंदकी के प्रभारी निरीक्षक और खजुहा चौकी प्रभारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया ।जारी प्रेस नोट के अनुसार, समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के संज्ञान में आने के बाद अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर से पूरे प्रकरण की जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि 8 जुलाई की रात ग्राम अस्तीपुर नरैचा स्थित देशी शराब एवं बीयर की दुकान पर कुछ अज्ञात बदमाशों ने चौकीदार के हाथ-पैर बांधकर दुकान से शराब की पेटियां लूट ली थीं। मौके पर पहुंची पीआरवी टीम ने भी चौकीदार को बंधा हुआ पाया, जिसने अज्ञात लोगों द्वारा लूट की घटना की जानकारी दी। इसके बावजूद थाना पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के बजाय अपेक्षाकृत हल्की धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया। जांच में इसे प्रथम दृष्टया गंभीर लापरवाही माना गया ।जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज परिक्षेत्र ने प्रभारी निरीक्षक बिंदकी दिनेश मिश्र तथा खजुहा चौकी प्रभारी अनुज कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है ।इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि मामले में आगे भी विभागीय जांच जारी रहेगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वेतन कटौती के विरोध में संविदाकर्मियों का धरना

अधीक्षण अभियंता का कार्यालय घेरा, कंपनी को ब्लैकलिस्टेड करने की मांग

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,बिजली विभाग के संविदा कर्मचारियों ने निविदा संविदा कर्मचारी सेवा समिति के बैनर तले अधीक्षण अभियंता (एसई) कार्यालय पर धरना दिया। कर्मचारियों ने कंपनी और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शोषण का आरोप लगाया। संविदाकर्मियों का कहना है कि कार्यक्षेत्र बढ़ाकर कर्मचारियों की संख्या घटा दी गई है, जिससे काम का दबाव और हादसों का खतरा बढ़ गया है। वहीं, कम वेतन के बावजूद मनमाने ढंग से वेतन कटौती और कई कर्मचारियों का भुगतान रोके जाने का भी आरोप लगाया। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि बकाया वेतन का भुगतान, वेतन कटौती पर रोक और कार्य व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। धरने के बाद अधीक्षण अभियंता ने कर्मचारी नेताओं से वार्ता कर कार्रवाई का आश्वासन दिया ।मनमाने तरीके से की जा रही कटौत कर्मचारियों ने आरोप है कि आईटीआई पास संविदा कर्मचारियों को मात्र 14 हजार रुपये और बिना आईटीआई वाले कर्मचारियों को 11 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जाता है। इसके बावजूद कंपनी मनमाने ढंग से कर्मचारियों के वेतन में कटौती कर रही है। पिछले तीन माह से 13 कर्मचारियों का वेतन रोका गया है, जिससे उनके सामने परिवार का भरण-पोषण करने का संकट खड़ा हो गया है।

अफसरों पर लगाया अनदेखी का आरोप

शहरी क्षेत्र के बिजलीघरों पर कार्यरत 456 संविदा कर्मचारियों में से 36 से अधिक कर्मचारियों के वेतन में कटौती की गई है। फेशियल अटेंडेंस मशीन के जरिए उनका वेतन काटा जा रहा है जबकि एसडीओ की संस्तुति के बाद यह कार्रवाई होती है। कर्मचारियों का कहना है कि इस संबंध में कई बार पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

आंदोलन को तेज करने की चेतावनी राव

ने चेतावनी दी कि यदि बकाया वेतन का भुगतान, वेतन कटौती पर रोक और कार्य व्यवस्था में सुधार को लेकर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा ।उन्होंने कहा कि लगातार अनदेखी के चलते उन्हें मजबूर होकर धरना-प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ा है। इसके बाद अधीक्षण अभियंता ने कर्मचारी नेताओं से बात की और कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

उफनाते नाले में गिरा डिलीवरी बॉय

जिंदा बचा, बाइक बही; 6 घंटे की बारिश में नाला और सड़क एक हो गई थी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ,छह घंटे की मूसलाधार बारिश ने नगर निगम की मानसून तैयारियों की पोल खोल दी है। शहर के कई इलाकों में जलभराव और ओवरफ्लो नालों के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी बीच टीपी नगर क्षेत्र के दिल्ली रोड स्थित मेवला पुल के नीचे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां एक फ्लिपकार्ट डिलीवरी बॉय की बाइक उफनते नाले में बह गई, हालांकि डिलीवरी बॉय ने किसी तरह अपनी जान बचा ली। यह घटना सोमवार देर शाम की है। टीपी नगर की नई बस्ती निवासी मनोज, जो फ्लिपकार्ट में डिलीवरी बॉय के रूप में कार्यरत हैं, अपनी बाइक से ऑर्डर की डिलीवरी देने जा रहे थे। मेवला पुल के नीचे भारी जलभराव और ओवरफ्लो नाले के कारण वह सड़क और नाले के बीच का अंतर नहीं पहचान सके। देखते ही देखते उनकी होंडा शाइन बाइक तेज बहाव में नाले में समा गई। मनोज ने किसी तरह खुद को संभालते हुए बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही टीपी नगर थाना पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। नगर निगम ने जेसीबी की मदद से नाले में बाइक तलाशने का प्रयास किया, लेकिन पानी का तेज बहाव राहत कार्य में बाधा बन गया। काफी प्रयासों के बावजूद बाइक का कोई पता नहीं चल सका ।स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान मेवला पुल के नीचे अक्सर जलभराव की स्थिति बन जाती है। नाला ओवरफ्लो होने से सड़क पूरी तरह पानी में डूब जाती है, जिससे हादसों का खतरा लगातार बना रहता है। लोगों ने नगर निगम से स्थायी समाधान की मांग करते हुए बारिश के मौसम में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की अपील की है। यह घटना एक बार फिर शहर की जल निकासी व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

गैस सिलेंडर से मकान में लगी आग

महिला झुलसीं, दमकल ने समय रहते पाया काबू

अमन लेखनी समाचार

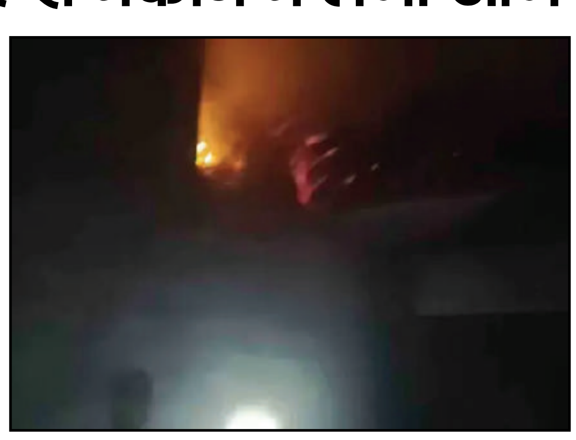

गाजियाबाद , प्रताप नगर स्थित पुलिस लाइन के पास सुबह एक मकान में गैस सिलेंडर से आग लग गई। इस घटना में मकान में मौजूद 80 वर्षीय एक महिला आंशिक रूप से झुलस गईं। सुबह करीब 11:33 बजे आग की लपटें और धुआं देखकर आसपास के लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन कोतवाली से अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में एक फायर टेंडर, कलेक्ट्रेट में तैनात एक अन्य फायर टेंडर और एफक्यूआरवी (फर्स्ट क्विक रिस्पांस व्हीकल) को तत्काल मौके पर भेजा गया। दमकल विभाग की टीम कुछ ही देर में घटनास्थल पर पहुंच गई और जांच में पाया कि मकान के ग्राउंड फ्लोर पर बने एक कमरे में गैस सिलेंडर से आग लगी थी। आग तेजी से फैलने की आशंका को देखते हुए, फायर कर्मियों ने बिना देर किए एक हौज पाइप और होजरील की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया और उसे अन्य कमरों तक फैलने से रोक दिया। आग लगने के दौरान मकान में मौजूद करीब 80 वर्षीय विमला देवी आंशिक रूप से झुलस गईं। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया था और आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। फायर सर्विस की त्वरित कार्रवाई के चलते आग पर जल्द काबू पा लिया गया, जिससे आसपास के मकानों को भी नुकसान नहीं पहुंचा। राहुल पाल ने बताया कि सूचना मिलते ही सभी आवश्यक संसाधनों के साथ टीम को मौके पर भेजा गया था। फायर कर्मियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण आग को समय रहते बुझा दिया गया। इस घटना में एक बुजुर्ग महिला के आंशिक रूप से झुलसने के अलावा किसी अन्य के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

कलेक्ट्रेट के बाहर हंगामा , प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने किया जमकर लाठीचार्ज

ललिता गौतम हत्याकांड में न्याय के लिए कर रहे थे प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , ललिता गौतम हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर बड़ी संख्या में लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शनकारी डीएम कार्यालय पहुंचकर धरना देना और ज्ञापन सौंपना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने कलेक्ट्रेट का मुख्य गेट बंद कर उन्हें बाहर ही रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने गेट खोलने और डीएम से मिलने की मांग की, लेकिन अनुमति नहीं मिलने पर वे कलेक्ट्रेट गेट के बाहर सड़क किनारे धरने पर बैठ गए। काफी देर तक पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। जब प्रदर्शनकारी नहीं हटे तो पुलिस ने शाम 4:30 बजे लाठियां फटकारकर उन्हें वहां से हटाया।

अफसरों के समझाने पर नहीं मानेएसपी देहात, एसपी यातायात दोनों पहुंचे लोगों को सड़क से हटने के लिए कहा। लेकिन लोग नहीं माने अंत में भारी पुलिस बल के साथ एसएसपी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों पर लाठियां चलाकर उन्हें वहां से भगाया गया। वहीं कुछ लोगों को पुलिसवैन में भरकर पुलिस लाइन ले आई है। जिन पर मुकदमा लिखा जा रहा है।

एसएसपी अविनाश पांडेय ने बताया कि ललिता गौतम नामक युवती की हत्या हुई थी। केस का पुलिस खुलासा कर चुकी है। आरोपी को अरेस्ट कर जेल भेज दिया गया है। केस की जांच में पता चला था कि ललिता की एक युवक से पहले से ही दोस्ती थी, दोनों परिचित थे। इसके बाद युवक ने किसी अन्य युवक से बातचीत के शक में ललिता की हत्या की थी। बुधवार को कुछ लोग इस मामले में अपनी मांगे रखना चाहते थे, जिसके लिए उन्हें शांतिपूर्वक आकर मांगे रखने की अनुमति दी गई थी। लेकिन उन लोगों द्वारा यहां सड़क जाम कर प्रदर्शन किया जाने लगा। इससे आम जनता, बच्चों को परेशानी हो रही थी। बार-बार उन लोगों को समझाया गया वो नहीं माने तो हल्का बलप्रयोग कर उन्हें हटाया गया है।

स्कूली बच्चों को कार ने मारी टक्कर

3 बच्चे और एक महिला घायल, चालक मौके से फरार

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा ,वेस्ट के बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित पंचशील ग्रीन-2 सोसायटी के बाहर सुबह स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों को एक कार ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन स्कूली बच्चे और एक महिला घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार चला रही महिला सोसायटी से बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए निकल रही थी। गेट से बाहर आते समय कार का संतुलन बिगड़ गया और ब्रेक की जगह एक्सीलरेटर दबने से कार अनियंत्रित होकर स्कूटी से टकरा गई। इसके बाद स्कूटी बच्चों पर जा गिरी। हादसे के बाद महिला मौके से फरार हो गई। स्कूटी से टकराने के बाद बच्चों पर गिरी प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार सोसायटी के गेट से निकलते ही अनियंत्रित हो गई। कार सड़क किनारे खड़ी स्कूटी से टकराई, जिससे स्कूटी उछलकर स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों पर जा गिरी। हादसे में तीन बच्चे और एक महिला घायल हो गए।

नोएडा में युवक से 30 लाख का फ्रॉड

घर बैठे टास्क पूरा करने का झांसा दिया, टेलीग्राम से जोड़कर पैसे हड़पे

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा , सुबह 9 बजे ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले एक युवक से घर बैठे ऑनलाइन कमाई का झांसा देकर 29.93 लाख रुपये का साइबर फ्रॉड हुआ है ठगों ने पहले वॉट्सऐप के जरिए संपर्क किया। फिर टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर छोटे-छोटे ऑनलाइन टास्क पूरे कराए। शुरूआती भुगतान कर भरोसा जीतने के बाद निवेश के नाम पर लाखों रुपये अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी में जमा करा लिए ।वॉट्सऐप मैसेज से शुरू हुआ पूरा खेलरॉयल नेस्ट अपार्टमेंट निवासी 39 साल के मनीष कुमार हंस ने पुलिस को बताया कि 26 मार्च 2025 को उनके वॉट्सऐप पर घर बैठे ऑनलाइन कमाई का संदेश आया था। इसके बाद उन्हें एक टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ा गया, जहां यूट्यूब वीडियो लाइक करने, रेटिंग देने और अन्य छोटे टास्क पूरे करने पर कुछ रुपये और बोनस दिया गया।

निवेश के नाम पर 29.93 लाख रुपये जमा कराए

भरोसा बनने के बाद ठगों ने अधिक मुनाफे का लालच देकर निवेश और रिचार्ज के नाम पर कई किस्तों में अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी में कुल 29 लाख 93 हजार 293 रुपये जमा करा लिए। जब मनीष ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की तो उनसे और पैसे जमा करने के लिए कहा जाने लगा। इसके बाद उन्हें ठगी का पता चला।

10 साल का मासूम करंट से झुलसा

बंद दुकान के शटर में उतरा, खेलते समय चपेट में आया

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा ,दादरी में दोपहर एक बच्चा करंट की चपेट में आने से झुलस गया। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना दादरी में दोपहर 1 बजे हुई। पुलिस ने बताया- 10 साल का सुफियान अपनी बहन सानिया के साथ घर के पास खेल रहा था। तभी एक बंद दुकान के शटर में अचानक करंट आ गया और सुफियान उसकी चपेट में आ गया।

दुकान के शटर में उतरा करंट

करंट लगते ही सुफियान मौके पर बेहोश हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे तुरंत दादरी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। वहां से उसे ग्रेटर नोएडा के एक अन्य अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां वह भर्ती है और उसका इलाज चल रहा है। दादरी थाना प्रभारी ने बताया- बच्चा घर के बाहर खेल रहा था, तभी बंद दुकान के शटर में करंट उतर आया, जिसकी चपेट में वह आ गया। बच्चे का उपचार चल रहा है ।गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे कई स्थानों पर जलभराव हो गया है। आशंका जताई जा रही है कि जलभराव के कारण ही दुकान के शटर में करंट उतरा होगा।

चोपन पुलिस चोरी के प्रकरण मे 02 अभियुक्त गिरफ्तार एवं 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया

कब्जे से चोरी की गई 03 भैंस, 03 पड़िया एवं 01 पड़वा बरामद।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन गोपाल जी गुप्ता के कुशल नेतृत्व में थाना चोपन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना चोपन पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया एवं 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया तथा उनके कब्जे से चोरी की गई 03 भैंस, 03 पड़िया एवं 01 पड़वा बरामद किया गया। वादी द्वारा थाना चोपन पर भैंसों की चोरी के संबंध में तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर मु0अ0सं0 263/2026, धारा 303(2), 317(2) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना के अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम गठित की गई दिनांक 08.07.2026 को थाना चोपन पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम पटेहरा, थाना घोरावल क्षेत्रान्तर्गत विनोद सिंह के खेत के पास पहाड़ी के नीचे नाले के किनारे जंगल से 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया एवं 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी की गई 03 भैंस, 03 पड़िया एवं 01 पड़वा बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने उक्त पशुओं की चोरी कर उन्हें जंगल में छिपाकर रखा था तथा अवसर मिलने पर उन्हें बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस द्वारा बरामद पशुओं को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। सोनभद्र पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सतत जारी है

जग ज्योति दरबार में सनातन परम्परा अनुसार गुप्त नवरात्र पर होगा पूजन

शुरू हुई तैयारियां गुप्त नवरात्र पर विशेष अनुष्ठान में महंत राजेंद्र पुरी करेंगे सर्वकल्याण की कामना।

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र। जग ज्योति दरबार में हर वर्ष की भांति आषाढ़ अमावस्या के उपरांत 15 जुलाई से प्रारम्भ होने वाले आषाढ़ गुप्त नवरात्र पर विशेष अनुष्ठान के लिए तैयारियां की जा रही हैं। महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि गुप्त नवरात्र विशेष अनुष्ठान में सर्वकल्याण की कामना से पूजन होगा वहीं अनुष्ठान में हवन के लिए कुछ श्रद्धालुओं ने यजमान के तौर पर अपने नाम दरबार में लिखवाए हैं। 9 दिन तक अलग अलग यजमानों के लिए हवन के दिन निर्धारित किए हैं। जग ज्योति दरबार में निरंतर भंडारों का आयोजन भी किया जाएगा। इस अवसर पर जयंती भारद्वाज, नितिन भारद्वाज, गुंजन मेहता, रवि गोयल, मनोज गोयल, जश्नप्रीत सिंह, जसप्रीत मक्कड़, मयंक रहेजा, सुरेंद्र रहेजा, मनीष बंसल, विजय राठी, अजय राठी, अक्षय राठी, मनप्रीत सिंह, कन्हैया लाल, सुभाष चंद, लाड़ी, विजय कुमार इत्यादि भी मौजूद रहे।

करोड़ों की ऑनलाइन ठगी का आरोप, न्याय के लिए भटक रहा पीड़ित

प्रेस क्लब में उठाई आवाज, साइबर थाना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल, जांच ट्रांसफर की मांग

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में भानु प्रताप पाण्डेय ने अपने साथ हुई करोड़ों रुपये की ऑनलाइन ठगी का गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि मामले में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे वह और उनका परिवार मानसिक व आर्थिक रूप से परेशान है। पीड़ित ने बताया कि उनका बैंक खाता एक्सिस बैंक में है, जिसमें उनकी जमा पूंजी थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने खुद को बैंक/पॉलिसी से जुड़ा बताते हुए उनसे संपर्क किया और भरोसे में लेकर अलग-अलग माध्यमों से बड़ी रकम ट्रांसफर करा ली। धीरे-धीरे यह रकम करोड़ों तक पहुंच गई। भानु प्रताप पाण्डेय के अनुसार, जब उन्हें ठगी का अहसास हुआ तो उन्होंने संबंधित बैंक अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन वहां से भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने 10 अप्रैल 2024 को साइबर थाना गोरखपुर में एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने शुरूआती जांच में एक संदिग्ध को पकड़ने का दावा करते हुए दिल्ली तक दबिश दी और व्यक्ति को हिरासत में लेकर गोरखपुर भी लाया गया, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। इस कार्रवाई के बाद से जांच ठंडे बस्ते में चली गई है। पीड़ित का कहना है कि वह कई बार साइबर थाना और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मिल चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल ह्लजांच जारी हैह्व कहकर टाल दिया जाता है। उन्हें अब तक न तो अपनी रकम वापस मिली और न ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मामले में प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता के चलते कार्रवाई प्रभावित हो रही है। पीड़ित ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी जैसे सीबीआई या अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) से कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों को सजा मिल सके। प्रेस वार्ता के दौरान पीड़ित ने शासन-प्रशासन से अपील की कि उनके मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द न्याय दिलाया जाए और भविष्य में ऐसे साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कड़े कदम उठाए जाएं।

खास समाचार

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनसुनवाई में जनता की समस्याओं का श्रवण कर त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ऑडिटोरियम निर्माण में धीमी प्रगति पर मंडलायुक्त नाराज

सीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। मंडलायुक्त अनिल ढींगरा एवं डीआईजी एस. चेनप्पा ने महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, भटहट में निर्माणाधीन ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया। 1000 व्यक्तियों की क्षमता वाले इस ऑडिटोरियम के निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई और कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग (भवन) को निर्माण कार्य में तेजी लाकर इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने 11 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भटहट-बांसस्थान फोरलेन मार्ग के लोकार्पण कार्यक्रम के मद्देनजर कार्यक्रम स्थल का भी जायजा लिया। वहां चल रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि जनसभा स्थल पर मौसम को देखते हुए आवागमन, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पार्किंग स्थल पर सुगम आवागमन की व्यवस्था करने, कार्यक्रम स्थल पर मोबाइल टॉयलेट, चिकित्सकों की उपलब्धता और पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। वहीं डीआईजी एस. चेनप्पा ने पुलिस अधिकारियों को कार्यक्रम के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए।

भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज जायसवाल ने प्रदेश अध्यक्ष से की मुलाकात, किया स्वागत

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनोज जायसवाल जी ने अपने सहयोगियों के साथ मां विंध्यवासिनी मंदिर पर दर्शन पूजन करने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट की और उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर मनोज जायसवाल ने प्रदेश अध्यक्ष को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर संगठन के प्रति आस्था व्यक्त की। उन्होंने पार्टी को जन-जन तक मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के संकल्प को दोहराया। भेंट के दौरान क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति, संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष ने मनोज जायसवाल के अनुभव और संगठन के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि वरिष्ठ कार्यकताओं के मार्गदर्शन से ही भाजपा निरंतर आगे बढ़ रही है। इस मुलाकात में भाजपा कार्यकताओं में उत्साह का माहौल रहा। सभी ने एकजुट होकर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

मोतीबाई राजाराम महाविद्यालय में साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला आयोजित

पुलिस ने बताए बचाव के उपाय

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी), मोतीबाई राजाराम महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में शुक्रवार को 'साइबर अपराध सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम' के अंतर्गत विशेष गोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसआई ज्ञानेन्द्र पटेल ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, पासवर्ड, बैंक खाता या एटीएम संबंधी जानकारी साझा न करें। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से मित्रता करते समय सतर्क रहें तथा मोबाइल पर प्राप्त होने वाले संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। उन्होंने साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत पुलिस एवं साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने की भी सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य राजा भईया ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में तकनीक का सही उपयोग जीवन को सरल बनाता है, जबकि थोड़ी सी लापरवाही आर्थिक और सामाजिक नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अनूप मिश्रा ने किया, जबकि संपूर्ण आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी साधना तिवारी के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यशाला में एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान रक्षा, सोनम, साकेत, वीरेन्द्र यादव, कुलदीप, आदित्य, राजीव सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका मुख्य अतिथि ने सरल एवं व्यावहारिक उत्तर देकर समाधान किया। अंत में कार्यक्रम अधिकारी साधना तिवारी ने मुख्य अतिथि तथा उपस्थित सभी अतिथियों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के समापन पर सभी छात्र-छात्राओं ने डिजिटल दुनिया में सतर्क, सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लिया।

संदिग्ध परिस्थितियो मे युवती ने लगाई फांसी, जांच मे जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

चोपन। जुगैल थाना क्षेत्र के नेवारी गांव मे गुरूवार की सुबह घर मे ही पंखे के सहारे संदिग्ध परिस्थितियो मे एक युवती ने फासी लगाकर अपनी इहलिला समाप्त कर ली सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर अग्रीम कार्यवाही मे जुट गईं प्राप्त जानकारी के मुताबिक ज्योति पत्नी नितेश पाठक उम्र लगभग 35 वर्ष गुरुवार की सुबह घर मे ही पंखे के सहारे फांसी लगाकर अपनी ईहलिला समाप्त कर ली जैसे ही इस बात की जानकारी परिजनों को हुई तो अफरा तफरी मच गई परिजनों ने घटना की सुचना पुलिस को दी जिसके बाद जुगैल प्रभारी निरिक्षक सी पी वर्मा अपने मातहतो के साथ मौके पर पहुंच गये और शव को कब्जे मे लेकर अग्रीम कार्यवाही मे जुट गये

करमा पुलिस द्वारा गुण्डा अधिनियम के अभियुक्त के विरुद्ध जिलाबदर की कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राजेश कुमार राय के कुशल मार्गदर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक करमा सूर्यभान के नेतृत्व में थाना करमा पुलिस द्वारा उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के एक अभियुक्त के विरुद्ध जिलाबदर की कार्रवाई की गई। अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक), सोनभद्र द्वारा वाद संख्या-1864/2023 (कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या-ऊ202316660001864), राज्य बनाम रहमान में पारित आदेश के अनुपालन में थाना करमा पुलिस द्वारा अभियुक्त रहमान पुत्र सकील अहमद, निवासी ग्राम बहेरा, थाना करमा, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 28 वर्ष को नियमानुसार नोटिस तामील कराते हुए आदेशों एवं निर्देशों से अवगत कराया गया तथा उसके विरुद्ध जिलाबदर की कार्रवाई की गई।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत विशेष स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशानुसार जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत विशेष स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। अभियान के तहत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में साफ-सफाई, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों का चिन्हीकरण एवं मरम्मत सहित विभिन्न गतिविधियां कराई गईं। उच्च जोखिम वाले ग्रामों में माइक्रोप्लान के अनुरूप विशेष स्वच्छता अभियान चलाते हुए सफाईकर्मियों, पंचायत सहायकों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों तथा ग्राम प्रधानों द्वारा संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति आमजन को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न विद्यालयों में संचारी रोगों के प्रति जागरूकता रैलियां निकाली गईं और प्रभात फेरियां एवं ग्राम पंचायतों में जनजागरूकता सभाओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त गांवों में नालियों की सफाई, कई स्थानों पर झाड़ियों की कटाई, हैंडपंपों तथा हैंडपंप चबूतरों की मरम्मत कराई गई तथा शौचालयों का निर्माण कराया गया। नगर पंचायत क्षेत्र में स्थानों पर नालियों की सफाई एवं वार्डों में फॉगिंग कराई गई। साथ ही पशुपालकों को जागरूक किया गया तथा कृतंक नियंत्रण के संबंध में बैठकों का आयोजन कर संचारी रोगों की रोकथाम हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

वर्षों बाद विंध्यधाम पहुंचीं पूर्व जिलाधिकारी दिव्या मित्तल

मीरजापुर ने मुझे बनाया, मैं आज भी उतनी ही भावुक हो जाती हूं

अमन लेखनी समाचार

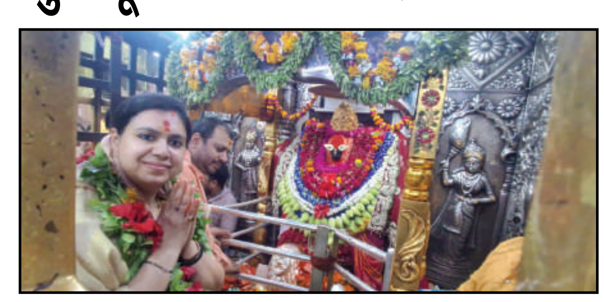

विंध्याचल, मीरजापुर। मीरजापुर की पूर्व जिलाधिकारी एवं वर्तमान में राजस्व विभाग में स्पेशल सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत वर्षों बाद गुरुवार को मां विंध्यवासिनी धाम पहुंचीं। मां के दरबार में दर्शन-पूजन के दौरान वह भावुक नजर आईं। मंदिर परिसर में प्रवेश करते समय उन्होंने परंपरानुसार पहली सीढ़ी को दाहिने हाथ से स्पर्श कर प्रणाम किया और मंत्रोच्चार व जप करते हुए मां के चरणों में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। दर्शन के बाद उन्होंने मां गंगा के पक्का घाट पहुंचकर अपने लगाए हुए कल्पवृक्ष को याद किया और उसको एक नजर देखकर आगे मां गंगा मैया को नमन किया और कुछ देर तक ध्यानमग्न रहीं। इस दौरान उन्हें अपने जिलाधिकारी कार्यकाल की यादें भी ताजा हो गईं। उन्होंने उस दौर को याद किया जब उनके नेतृत्व में विंध्य महोत्सव के साथ मां गंगा महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ था और दीवान घाट आतिशबाजी व रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा था। पत्रकारों से बातचीत में दिव्या मित्तल ने कहा, ₹मीरजापुर से जाने के बाद पहली बार यहां आने का अवसर मिला है। पहले भी यहां आकर मैं भावुक हो जाती थी और आज भी वैसा ही महसूस कर रही हूं। मां विंध्यवासिनी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होना मेरे लिए अत्यंत खुशी की बात है। विंध्य कॉरिडोर की परिकल्पना मेरे सामने शुरू हुई थी। आज इसका भव्य स्वरूप और आगे हुआ विकास देखकर बेहद प्रसन्नता हुई।₹ उन्होंने बताया कि उनका पूरा दिन मीरजापुर में ही व्यतीत होगा तथा अगले दिन वह यहां से रवाना होंगी। वर्तमान में राजस्व विभाग में स्पेशल सेक्रेटरी के रूप में कार्यरत दिव्या मित्तल ने कहा कि मीरजापुर में प्रस्तावित नए कलेक्ट्रेट भवन का निर्माण लंबे समय से लंबित है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि परियोजना में जो भी बाधाएं हैं, उन्हें दूर कराने का हरसंभव प्रयास करेंगी ताकि नए कलेक्ट्रेट भवन का निर्माण शीघ्र पूरा हो सके।

महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों—जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य—पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा

1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

181-महिला हेल्पलाइन

1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन

1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

बटौरा-जनकपुर मार्ग को पिच कराने की मांग, डीएम को सौंपा ज्ञापन

महराजगंज। सदर ब्लॉक की ग्राम पंचायत बागापार के बटौरा टोला से जनकपुर तक करीब एक किलोमीटर लंबी कच्ची सड़क को पिच कराने की मांग को लेकर मंगलवार को सामाजिक कार्यकर्ता रवींद्र जैन के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग के अधिकारी से तत्काल वार्ता कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। ज्ञापन में कहा गया है कि बटौरा से जनकपुर तक जाने वाला यह मार्ग वर्षों से हजारों ग्रामीणों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है, लेकिन आज भी कच्चा होने के कारण लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में सड़क पर कीचड़ और जलभराव होने से पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली छात्र-छात्राओं, महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों, मरीजों तथा दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ती है। कई बार लोग फिसलकर घायल भी हो चुके हैं।

मंडल रेल प्रबंधक ने सोनारडीह, नॉर्थ उरीमारी एफएमसी परियोजना एवं शिवपुर साइडिंग का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

धनबाद। मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा सोनारडीह, नॉर्थ उरीमारी एफ एम सी परियोजना एवं शिवपुर साइडिंग का निरीक्षण किया गयो निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोयला लदान कार्यों, उपलब्ध अवसंरचना एवं परिचालन व्यवस्था का जायजा लेते हुए माल लदान क्षमता बढ़ाने, रेक टर्नअराउंड समय में कमी लाने तथा परिचालन दक्षता में सुधार के संबंध में आवश्यक निर्देश दिऐ साथ ही उन्होंने नॉर्थ उरीमारी कोल माइंस कार्यालय एवं शिवपुर साइडिंग का निरीक्षण कर रेलवे एवं संबंधित एजेंसियों के मध्य बेहतर समन्वय के माध्यम से कोयला परिवहन को और अधिक सुगम, सुरक्षित एवं प्रभावी बनाने पर बल दियो निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मार्ग में स्थित विभिन्न साइडिंगों एवं रेल अवसंरचनाओं का भी अवलोकन कियो इस अवसर पर कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता के वरीय सलाहकार (रेल) सलिल कुमार झा सहित मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे

राममंदिर में चढ़ावा चोरी मामले पर दोषियों को मिले कड़ी सजा दीपक सिंह यादव

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी)। अयोध्या स्थित राममंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर समाजसेवी दीपक सिंह यादव (ग्राम लक्ष्मनपुरा गुढ़ा, तहसील गरौठा) ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है, इसलिए इसकी निष्पक्ष जांच होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दान चोरी की घटना निश्चित रूप से गंभीर है। राज्य सरकार के निर्देश पर जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं और जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। दीपक सिंह यादव ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित दान जनआस्था का प्रतीक होता है। ऐसे में दान में गड़बड़ी या चोरी करने वाले किसी भी व्यक्ति को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

टेक्नोलॉजी

शिखर चंद जैन

बच्चो, वैज्ञानिकों ने आधुनिक तकनीक से युक्त बहुत से ह्यूमेनॉयड रोबोट्स तो बनाए ही हैं, साथ ही कई ऐसे सुपर रोबोट्स भी बनाए हैं, जिनकी आकृति किसी न किसी जीव-जंतु से मिलती-जुलती है। ऐसे ही कुछ 'रोबोट एनिमल्स' के बारे में जानो। साथ ही यह भी जानो कि ये रोबोट्स क्या काम करते हैं?

बड़े काम के हैं ये रोबोट एनिमल्स

बच्चो, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने हाल ही में शनि ग्रह के उपग्रह एंसेलेडस पर पानी और जीवन का पता लगाने के लिए रोबोटिक सांप 'ईल्स' भेजने की प्लानिंग की है। इसका मुख्य उद्देश्य शनि के बर्फीले चंद्रमा एंसेलेडस की गहराई में छिपे रहस्यों का पता लगाना है। बच्चो, यह कोई पहला रोबोटिक एनिमल नहीं है। वैज्ञानिकों ने ईल्स के अलावा भी जीव-जंतुओं के आकार-प्रकार से इंस्पायर होकर कई सारे अद्भुत रोबोट्स बनाए हैं। ये रोबोट्स उन जगहों पर भी जा सकते हैं, जहां इंसान और पहिए वाले रोबोट या ह्यूमेनॉयड रोबोट्स नहीं पहुंच सकते।

बायोनिक व्हील बॉट रोबोटिक मकड़ी

इस बायोनिक व्हील बॉट रोबोटिक मकड़ी को मोरक्कन फ्लिक-फ्लैक मकड़ी से प्रेरित होकर बनाया गया है। यह 8 पैरों वाला रोबोट चलने और पहिए की तरह लुढ़कने दोनों में सक्षम है। यह रोबोट ऊबड़-खाबड़ जमीन पर चल सकता है, प्लेन सरफेस पर लुढ़ककर दोगुनी गति से आगे बढ़ सकता है, साथ ही यह कुछ हद तक चढ़ाई भी कर सकता है। यह अपने 6 पैरों को मोड़कर एक पहिया बनाता है, बाकी 2 पैरों का उपयोग खुद को आगे धकेलने के लिए करता है। इसमें 15 छोटे मोटर्स और 14 ऑटोमेटिक-लॉकिंग बॉल गियर यूनिट्स हैं, जो ऊर्जा बचाने में मदद करते हैं। इसमें एक साथ चलने और लुढ़कने की क्षमता मौजूद है। जटिल इलाकों में नेविगेट करने के लिए।

कोरलियो रोबोटिक घोड़ा

जापान की कंपनी कावासाकी द्वारा विकसित यह अनोखा रोबोट घोड़े की फुर्ती और बाइक की तकनीक का अनोखा मिश्रण है। इसमें 150 सीसी का हाइड्रोजन इंजन लगा है, जो बिजली पैदा करता है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस है, जो ऊबड़-खाबड़ रास्तों, पहाड़ों और बर्फीली सतहों पर गिरते समय भी खुद को संतुलित करने में मदद करता है। इसमें कोई हैंडल नहीं होता। इसकी सवारी करने वाला अपनी बॉडी के वजन को आगे-पीछे या दाएं-बाएं झुकाकर इसे नियंत्रित करता है, ठीक वैसे ही जैसे एक असली घोड़े की सवारी की जाती है। कोरलियो की बॉडी मेटल और कार्बन से बनी है, जो इसे हल्का और मजबूत बनाती है। इसके पैरों में रबर के खुर लगे हैं, जो जमीन पर बेहतर पकड़ प्रदान करते हैं। इसे उन दुर्गम इलाकों के लिए बनाया गया है, जहां पहिए वाले वाहन नहीं पहुंच सकते। *

मेंटा रे रोबोटिक मछली

चीन के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मेंटा रे रोबोटिक मछली एक बायो-इंस्पायर्ड सॉफ्ट रोबोट है, जो समुद्र की गहराई में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को खाने और इसे साफ करने में सक्षम है। यह अनोखी रोबोटिक मछली, वास्तविक मछली जैसा व्यवहार करती है। यह लगभग 13 मिमी. लंबी है। यह रोबोटिक मछली 5 किलोग्राम तक प्लास्टिक अवशोषित कर सकती है। यह बिल्कुल असली मछली की तरह पानी में तैरती है। करीब 2,000 मीटर की गहराई तक जा सकती है। समुद्री जीवों की निगरानी के लिए इसका उपयोग किया जाता है। *

बायोनिक स्विफ्ट रोबोटिक अबाबील

जर्मनी की कंपनी फेस्टो द्वारा बनाया गया यह एक रोबोटिक पक्षी है, जो बिल्कुल 'अबाबील' पक्षी की तरह उड़ता है। इसका वजन मात्र 42 ग्राम है, पंखों का फैलाव 68 सेंटीमीटर है। इसके पंख फोम के बने होते हैं, जो हवा के दबाव के हिसाब से फैलते और सिकुड़ते हैं, जिससे इसे असली पक्षी जैसी उड़ान मिलती है। यह रेडियो सिग्नल की मदद से बिना किसी रिमोट के, अपने आप एक साथ झुंड में उड़ सकता है। इसमें एक छोटी मोटर, बैटरी और सेंसर लगे होते हैं। यह रोबोट हवा में कलाबाजी करने और तेजी से मुड़ने में भी सक्षम है। *

भारतीय सेना में शामिल रोबोटिक डॉग्स

रोबोटिक डॉग्स चार पैरों वाले स्वचालित या रिमोट-कंट्रोल्ड रोबोट होते हैं, जिन्हें रियल डॉग्स की शारीरिक बनावट और व्यवहार की नकल करके डिजाइन किया गया है। इन्हें 'क्वाड्रुपेड रोबोट' भी कहा जाता है। ये कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर चलने, सीढ़ियां चढ़ने और बाधाओं को पहचानने में सक्षम होते हैं। भारतीय सेना इनका उपयोग दुर्गम क्षेत्रों में निगरानी और बम निरोधक कार्यों के लिए करती है। हाल ही में 'संजय' और 'परम' जैसे स्वदेशी रोबोटिक डॉग्स को रक्षा क्षेत्र में शामिल करने के लिए परखा गया है। ये रोबोट तेल और गैस संयंत्रों या खतरनाक वातावरण में जाकर उपकरणों की जांच और डेटा एकत्र करते हैं। साथ ही भूकंप या अन्य आपदाओं के बाद, ये मलबे के नीचे फंसे लोगों का पता लगाने में मदद करते हैं, जहां इंसानों का पहुंचना कठिन होता है।

बच्चो, हमारे घरों के ज्यादातर पंखों में तीन ब्लेड लगे होते हैं, जबकि अमेरिका और कुछ पश्चिमी देशों के पंखों में चार या पांच ब्लेड लगे होते हैं। क्या तुम जानते हो ऐसा क्यों होता है? यहां बता रहे हैं, इसके पीछे की वजह?

क्यों होते हैं भारतीय पंखों में तीन अमेरिकी पंखों में चार-पांच ब्लेड!

यह भी जानो

नयनतारा

बच्चो, तुमने देखा होगा कि हम लोगों के घरों में सीलिंग फैन यानी छत के पंखे में सामान्यतः तीन ब्लेड होते हैं, जबकि अमेरिका सहित कई वेस्टर्न कंट्रीज में प्रायः चार या पांच ब्लेड वाले सीलिंग फैन मिलते हैं। अब तुम्हारे मन में यह सवाल जरूर आ रहा होगा कि भारतीय और अमेरिकी पंखों की ब्लेडों की संख्या में यह अंतर क्यों होता है? जानो, इस बारे में।

पंखे की उपयोगिता: पहले तो तुम यह जान लो कि भारत और अमेरिका में पंखे का इस्तेमाल अलग-अलग मकसद से किया जाता है। अपने देश में साल के ज्यादातर समय मौसम गर्म व उमस भरा रहता है। इस कारण लोगों को तेज हवा के बहाव की जरूरत होती है ताकि तुरंत ठंडक महसूस होने लगे। तेज हवा और ठंडक के लिए भारतीय घरों में पंखे का इस्तेमाल किया जाता है। इसके विपरीत अमेरिका का मौसम भारत की तुलना में ठंडा होता है। इसके साथ ही अमेरिका में अधिकतर घरों में पहले से ही एचवीएसी (हीटिंग वेंटिलेशन एयरकंडीशनिंग) सिस्टम लगे होते हैं, जो मौसम के हिसाब से हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग की सुविधा प्रदान करते हैं। इसलिए यहां सीलिंग फैन का इस्तेमाल आमतौर से कमरे में एचवीएसी वाली हवा को फैलाने के लिए किया जाता है न कि तेज हवा का बहाव बनाने के लिए।

ब्लेडों की संख्या का असर: सीलिंग फैन में लगे ब्लेडों की संख्या उसकी परफॉर्मेंस तय करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। कम ब्लेड होने से मोटर, फैन को तेजी से घुमाती है। इससे हवा का बहाव नीचे की तरफ ज्यादा तेज हो जाता है। हवा का यह केंद्रित बहाव लोगों को बिना एयर कंडीशन के भी ठंडक महसूस करने में मदद करता है। अतः तीन ब्लेड वाला डिजाइन तेज रफ्तार से ठंडक देने के लिए सबसे सही माना जाता है।

ब्लेड की संख्या रफ्तार और हवा के प्रतिरोध पर असर डालता है। ज्यादा ब्लेड होने से पंखे का वजन और हवा का प्रतिरोध बढ़ जाता है, जिससे घूमने की रफ्तार कम हो जाती है। ज्यादा ब्लेड हवा को धीरे-धीरे और समान रूप से घुमाते हैं। इससे पूरे कमरे में समान रूप से एयरकंडीशन या एचवीएसी की हवा का वितरण होता है।

अब तुम समझ गए होंगे कि आखिर क्यों अपने देश के सीलिंग फैन में ज्यादातर तीन ब्लेड और अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में यूज किए जाने वाले सीलिंग फैंस में चार या पांच ब्लेड का इस्तेमाल किया जाता है। *

कविता / जयश्री साकल्ले

छपाक-छप

छप-छप छप-छप छपाक-छप,
पानी में खेलें हम सब।
भीग रहे सोनू के जूते,
भीग रही नीना की चोटी।
रिमझिम बारिश की बूंदों में,
पते दिखलाते करतब।
छप-छप छप-छप छपाक-छप।
भीग गए कपड़े रस्सी के,
भीग गए ठेले सब्जी के।
पानी गड्ढों में भर-भरकर,
बना रहा है छोटे कप।

छप-छप छप-छप छपाक-छप।
नीना-नाना साइकल वाला,
भीग रहा स्कूटर वाला।
बस और कार की खिड़की पर,
पट-पट पानी की दस्तक।
छप-छप छप-छप छपाक-छप।
भीग रहा आंगन नानू का,
टपक रहा छप्पर भानू का।
गरम चाय के संग पकौड़े,
अम्मा बना रही हैं अब।
छप-छप छप-छप छपाक-छप।

हंसगुल्ले

टीचर : बताओ पिंकी, 6 के बाद क्या आता है?
पिंकी : सर, उस वक्त मेरे घर तो दूध वाले अंकल दूध लेकर आते हैं।
-हर्ष, बिलासपुर

टीचर : सबसे ज्यादा ठंड कहां होती है?
राहुल : सर, फ्रीजर में।

-खुशी, रायपुर

सोना : अच्छा हुआ कि मैं गुजरात में पैदा नहीं हुई।
मोना : क्यों?
सोना : मुझे गुजराती बोलना नहीं आती है न, तो वहां मैं लोगों से बात कैसे कर पाती?
-सौम्य, रोहतक

जीके क्विज-213

1. पिछले दिनों किस दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया?
2. भारतीय वायुसेना के 51वें उप-प्रमुख कौन बने हैं?
3. भारत के 97वें शतरंज ग्रैंड मास्टर कौन बन गए हैं?
4. इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स किस देश के खिलाड़ी हैं?
5. किस युद्ध के बाद सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म अपनाया था?
6. राज्यसभा के सभापति कौन होते हैं?
7. किस तत्व की उपस्थिति के कारण हमारे खून का रंग लाल होता है?
8. किस गैस को लाफिंग गैस भी कहा जाता है?
9. महात्मा गांधी के पिता का नाम क्या था?
10. रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) नामक बीमारी किस विटामिन की कमी से होती है?

बच्चो, जीके क्विज-213 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-212 का उत्तर: 1 लियोनेल मेसी, 2.रूस, 3.तुषार मेहता, 4.राज्यसभा, 5.चंद्रगुप्त मौर्य, 6.अफ्रीका, 7.कीव, 8.नई दिल्ली, 9.यकृत (लिवर), 10.चार्ल्स बैबेज

जीके क्विज-212 का सही उत्तर देने वाले: वेदिका-बालोद, जियांश-झज्जर, कबीर-हिसार, जिया शिया-रायगढ़, कोमल-रायपुर, शिवम-दुर्ग, शशांक-बिलासपुर, हर्षिता-रोहतक, पूजा-महासमुंद, संजना-बलौदा बाजार, हर्ष-कटनी

कहानी

नीना सिंह सोलंकी

बरसात आई तो सुरभि वन के पक्षियों के सामने बारिश से बचने की समस्या आ खड़ी हुई। पक्षियों को समझ में ही नहीं आ रहा था कि कहां जाएं? तभी चीची गिलहरी मदद के लिए आगे आई। उसने जो किया, सभी पक्षियों के लिए बहुत बड़ी बात थी।

दोस्ती का फर्ज

चीची गिलहरी सुरभि वन में एक बरगद की खोह में घर बनाकर रहती थी। उसके तीन बच्चे भी उसके साथ रहते थे। उसका घर पूरे वन में मशहूर था। उसने बड़ी मेहनत से इसे बनाया था। बरगद के मोटे तने की खोह में जगह भी काफी थी। उसने तिनके तोड़-तोड़ कर चार कमरे बना रखे थे। एक कमरे में वह दाना इकट्ठा करके रखती थी। दूसरे में नरम घास बिछा कर सोने के लिए इंतजाम किया था। तीसरे में बच्चे सारा दिन खेलते। पड़ोस की टिन्नी गौरैया और मुनमुन मैना के बच्चे भी चीची के बच्चों के साथ खेलते। चौथे कमरे में चीची अपने दोस्तों टिन्नी, मुनमुन, टेंटें तोता और गुटरू कबूतर के साथ गपशप करती। कभी-कभी गपशप बहुत लंबी चलती। वे सब चीची के घर को बहुत पसंद करते थे। कभी किसी को भूख लगती वह सीधा चीची के घर आ जाता। वह उसे प्यार से बिठाती, खिलाती-पिलाती और अच्छी-अच्छी बातें करती।

चीची बारिश का मौसम आने से पहले ही दाना एकत्रित करना प्रारंभ कर देती थी। वह बड़ी दूर-दूर तक दाने की खोज में जाती थी। चीची बच्चों को समझा कर घर से निकलती थी। दाने का स्थान मिल जाने पर सारे दिन दाना ढोती। जब शाम होने लगती, दाना ढोना बंद कर देती। दाना यथास्थान रखकर फिर बच्चों को पेट भर दाना खिलाती। वह अपने बच्चों को खूब प्यार करती थी।

चीची ने बड़ी मेहनत से इस वर्ष फसल कम होने के बावजूद हर वर्ष की भांति ही दाना एकत्रित कर लिया था। बारिश शुरू हो चुकी थी। उस दिन सुबह से ही मौसम कुछ खराब था। आसमान में बादल छाए हुए थे। तेज हवाएं बादलों को उड़ाए लिए जा रही थीं। एकाएक तेज बारिश होने लगी। चारों ओर अंधेरा छा गया। हवा और बारिश ने तूफान का रूप ले लिया। सुरभि वन के सारे पशु-पक्षी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए यहां-वहां दौड़ने लगे। कितने ही वृक्ष उखड़ गए। चीची हिम्मत करके बाहर आई और सभी पक्षियों को अपने घर बुलाने लगी। बरगद का पेड़ मजबूत होने के कारण उसके घर को कोई खतरा नहीं था। टिन्नी, मुनमुन, टेंटें, गुटरू और भी कई दोस्त चीची के यहां अपने बच्चों को लेकर आ गए। अंदर आकर सबने चैन की सांस ली। चीची सबकी आव-भगत में लग गई। मौसम कई दिन बाद खुला। इतने दिन चीची ने सबको अपने घर में ही रखा। सबके भोजन की व्यवस्था की। जब मौसम बिल्कुल साफ हो गया तो सब चीची से विदा लेकर जाने लगे। टिन्नी बोली, 'बहन, तुम न होती तो हम सबका बहुत बुरा हाल हो जाता।'

'चीची, तुमसे अच्छा दोस्त तो कोई हो ही नहीं सकता।' मुनमुन ने भी हां में हां मिलाई।

टेंटें कहने लगा, 'तुम्हारी इस नेकी को हम सब कभी नहीं भूल पाएंगे। तुम्हें भी कभी किसी सहायता की जरूरत हो तो बताना। हम सब तुम्हारे साथ होंगे।'

'कैसे उतारेंगे तुम्हारा यह अहसान। तुम न होती तो हमारे बच्चों का क्या होता?' गुटरू भावुक होते हुए बोला।

सबकी बातें सुनकर चीची हंसते हुए बोली, 'अरे भाई! मैंने किसी पर कोई अहसान नहीं किया। यह तो मेरा फर्ज था। दोस्त यदि संकट में काम न आए तो फिर वो दोस्त ही कैसा।'

'चीची आंटी, हमें तो आपके यहां इतना अच्छा लगा कि घर जाने का मन ही नहीं हो रहा है।' मुनमुन के बच्चों की बात सुनकर सब ठहाका मार कर हंस पड़े। कुछ देर बाद सभी खुशी-खुशी अपने घर वापस चले गए। *

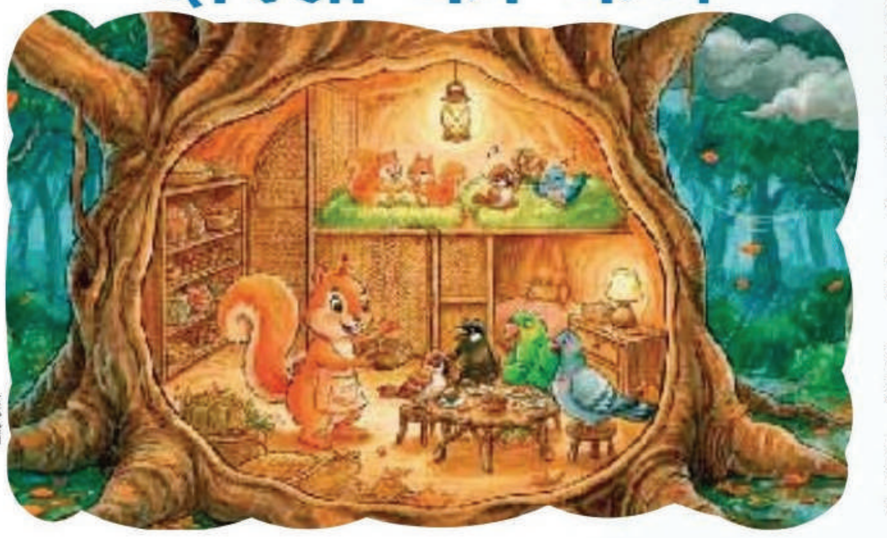

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

मनोरंजक कहानियां

बच्चो, हाल में ही साहित्यकार कल्पना मनोरमा के द्वारा लिखी गई बाल कहानियों की किताब 'देखा एक सपना' छपकर आई है। इस संग्रह में कुल ग्यारह बाल कहानियां संकलित हैं। ये कहानियां कहीं हंसाती हैं, कहीं गुदगुदाती हैं तो कहीं सरल ढंग से कोई सीख देती हैं। इस किताब की पहली कहानी 'देखा एक सपना' में तुम पढ़ोगे कि एक नन्ही सी बुलबुल सपने में पेड़ से कैसी मीठी-मीठी बातें करती है! इस कहानी में विभिन्न ऋतुओं की महत्ता के साथ ही बच्चों को मोबाइल की लत से दूर रहने की भी सीख दी गई है। यह कहानी तुम्हें अपने पर्यावरण के प्रति सजग और संवेदनशील भी बनाती है। संग्रह में संकलित 'छगन का बांका मुर्गा' नटखट भोला की मजेदार कहानी है, जिसमें तुम पढ़ोगे कि कैसे वह खुद ही सुबह देर से जगने की आदत को छोड़ने को तैयार हो जाता है? दिल्ली स्थित अमृत उद्यान में मुनमुन की मस्ती भरी सैर को तुम 'मुनमुन की सैर' कहानी में पढ़ सकते हो तो पढ़ने में होशियार बच्चा निक्कू क्यों झूठ बोलता है, इसे जानने के लिए तुमको 'निक्कू फेमस हो गया' कहानी पढ़नी होगी। अन्य कहानियों में तुमको कहीं गिलहरी फुदकती नजर आएगी तो कहीं गौरैया की चहक सुनाई पड़ेगी। ये कहानियां तुम्हारा मनोरंजन तो करेंगी ही तुम्हें अपने आस-पास के वातावरण के प्रति सजग भी बनाएंगी। *

किताब : देखा एक सपना (बालकथा संग्रह), **लेखिका :** कल्पना मनोरमा, **मूल्य :** 150 रुपए, **प्रकाशक :** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में एक गिलहरी अपने कोटर में मूंगफली स्टोर कर रही है। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में पांच अंतर है। तुम जल्दी से इन दोनों चित्रों में पांच अंतर ढूंढ कर बताओ।

उत्तर : 1.गिलहरी के कोटर में पहले से रखी मूंगफली गायब है। 2.पीछे बाईं तरफ पेड़ की पतली टहनी गायब है। 3.गिलहरी की आंखें खुली हुई हैं। 4.गिलहरी के पास कुछ अधिक मूंगफलियां हैं। 5.पेड़ की मोटी टहनी के नीचे की तरफ से पत्तियां गायब हैं।

सही मिलान करो

बच्चो, यहां बाईं तरफ चार अलग-अलग जंतुओं के चित्र दिए गए हैं। दाईं तरफ उन चित्रों की परछाइयां दी गई हैं, जो सीक्वेंस में नहीं हैं। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से प्रत्येक चित्र के साथ उसकी सही परछाई का मिलान करो।

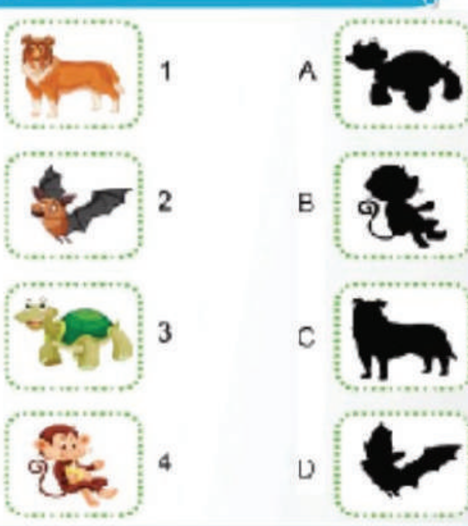

उत्तर : 1-c, 2-d, 3-a, 4-b